■ चैत्र शुक्ल - 15 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 264 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 23-04-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जनता में रुझान नहीं होने पर राहुल की तबीयत खराब हो जाती है
6 उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति
7 'गुलाबी' के लिए कड़ी मेहनत कर रही है हुमा कुरैशी

फर्स्ट टेक

बागी नेता ईश्वरप्पा पार्टी से निष्कासित

बेंगलूरु। भाजपा ने पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने की वजह से सोमवार को बागी नेता केएस ईश्वरप्पा को छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। चुनाव मैदान में उतरे पूर्व उपमुख्यमंत्री और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रह चुके ईश्वरप्पा ने अपने बेटे केई कांतेश को हावेरी से टिकट नहीं मिलने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा और उनके पिता एवं दिग्गज नेता बीएस येडीयुरप्पा को दोषी ठहराया था। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई को हावेरी से भाजपा का टिकट मिला है, जबकि विजयेंद्र के भाई एवं सांसद राघवेंद्र शिमोगा से भाजपा के उम्मीदवार हैं। प्रदेश अनुशासन समिति के अध्यक्ष लिंगराज पाटिल ने निष्कासन आदेश में कहा, ''पार्टी के निर्देशों की अनदेखी करते हुए आप शिमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से एक बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। यह पार्टी अनुशासन का उल्लंघन है।''

मालदीव संसदीय चुनाव में पीपुल्स नेशनल कांग्रेस की जीत

माले/एजेन्सी। मालदीव के संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस ने 93 में से 71 सीटें हासिल कर निर्णायक जीत हासिल कर ली हैं। स्थानीय मीडिया ने इस जीत को पर्यटन पर निर्भर राष्ट्र मालदीव में चीन-अनुकूल नेता के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण राजनीतिक जनादेश करार दिया है। मुइज्जू पिछले साल भारत विरोधी एजेंडे की वकालत करते हुये सत्ता में आए थे। जनवरी में उनकी चीन की राजकीय यात्रा और आर्थिक, व्यापार और बुनियादी ढांचे के मामलों पर आगामी समझौतों ने चीन के साथ संबंधों को और मजबूत किया है। दो एशियाई दिग्गजों चीन और भारत के साथ मालदीव का नाजुक संतुलन लंबे समय से इसकी राजनीति में एक केंद्रीय विषय रहा है।

गाजा में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हुई

गाजा/एजेन्सी। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में मृतकों की संख्या बढ़कर 34,151 हो गयी है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी।मंत्रालय ने कहा कि इजरायली सेना की पिछले 24 घंटों के दौरान की गयी कार्रवाई में 54 फिलिस्तीनियों मारे गए और 104 अन्य को घायल हो गए। इससे इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 34,151 हो गई और 77,084 लोग घायल हो गए। बयान में कहा गया कि भारी बमबारी और बचाव दल की कमी के बीच कुछ पीड़ित मलबे में दबे रहे।

सूर्यास्त 23-04-2024 5:51 बजे | सूर्योदय 24-04-2024 6:22 बजे

BSE	NSE
73,648.62	22,336.40
(+560.29)	(+189.40)

सोना	चांदी
7,651 रु.	90,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कूढ़मगज लोग

भाषाओं को यदि बाँध दिया,
धर्मों के थोथे बंधन में।
तो फर्क नहीं कर पाएंगे,
हम कभी नीम व चंदन में।
भाषाएं देती संस्कार,
मानव के जड़ चेतन मन में,
आओ तज कूढ़मगजियां सब,
हर भाषा के अभिनंदन में।।

67 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से राष्ट्रपति ने सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को यहां एक समारोह में 67 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री पुरस्कारों से सम्मानित किया। श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में तीन पद्म विभूषण, आठ पद्म भूषण और 56 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए।

राष्ट्रपति ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू , डॉक्टर पद्मा सुब्रमण्यम तथा बिंदेश्वर पाठक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया। बिंदेश्वर पाठक को यह पुरस्कार मरणोपरांत दिया गया है। उनकी पत्नी ने राष्ट्रपति से यह सम्मान हासिल किया। इसके अलावा फ़िल्म कलाकार मिथुन चक्रवर्ती , गायिका उषा उत्थुप और उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल राम नाइक को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।

अयोध्या और काशी ने लक्ष्य पा लिया है, अब 'ब्रज' की बारी है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फतेहपुर सीकरी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है और अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है। योगी आदित्यनाथ सोमवार को फतेहपुर सीकरी से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार राजकुमार चाहर के समर्थन में किरावली में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फतेहपुर सीकरी संसदीय क्षेत्र को ब्रज भूमि का भाग बताते हुए कहा कि ''गिरिराज महाराज की यहां बड़ी कृपा है। दुनिया यहां के रज-रज में कृष्ण कन्हैया का दर्शन करती है। लखनऊ में जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा ''अयोध्या और काशी ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया है, अब ब्रज भूमि का भी नंबर आने वाला है।

अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भव्य मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इसी वर्ष 22 जनवरी को हुई। दिसंबर 2021 में मोदी ने काशी विश्वनाथ कारिडोर का लोकार्पण किया था।

विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, एक तरफ कांग्रेस, सपा-बसपा के लोग कहते थे कि क्या प्रमाण है कि राम का जन्म अयोध्या में हुआ। ये़ कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं थे, जैसे लगता था कि इस सृष्टि के पहले कांग्रेस, सपा-बसपा, ही पैदा हो गई थी।

हुब्बल्ली हत्याकांड की जांच सीआईडी करेगी : सिद्दरामैया

शिव्वमोग्गा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार ने हुबली में हुई छात्रा की हत्या के मामले को अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने का फैसला किया है। साथ ही मामले का जल्द निपटारा करने के लिए एक विशेष अदालत का गठन किया जाएगा। हुब्बल्ली-धारवाड़ नगर निगम के पार्षद और कांग्रेस नेता निरंजन हिरेमठ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की 18 अप्रैल को धारवाड़ के बीवीबी कॉलेज परिसर में कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। नेहा की हत्या करने के बाद आरोपी फयाज खोंडुनाइक मौके से भाग गया, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। नेहा 'मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन' (एमसीए) के प्रथम वर्ष की छात्रा थी और फैयाज पहले उसका सहपाठी रह चुका था। सिद्दरामैया ने कहा, ''हमने यह मामला सीआईडी को देने का फैसला किया है। हम इसके लिए एक विशेष अदालत का गठन करेंगे, जिससे समयबद्ध तरीके से आरोपपत्र दाखिल कर मामले का निपटारा हो सके।'' एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं उनके (माता-पिता के) आवास पर नहीं जा सका। हमारे जिले के प्रभारी मंत्री और पार्टी कार्यकर्ता गए थे।

बंगाल स्कूल भर्ती : 25,000 से अधिक नियुक्तियां रद्द

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा संचालित और उससे सहायता प्राप्त विद्यालयों में, राज्य स्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के जरिए हुई शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मियों की 25,753 नियुक्तियों को रद्द करने का सोमवार को आदेश दिया तथा चयन प्रक्रिया को ''अमान्य एवं अवैध'' करार दिया। न्यायमूर्ति देबांग्शु बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार राशिदी की खंडपीठ ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को (रद्द की गई) नियुक्ति प्रक्रिया की जांच करने तथा तीन महीनों में एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद पर हमला, छह लोगों पर हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संत कबीरनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के अध्यक्ष संजय निषाद पर कथित रूप से कुछ लोगों द्वारा हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।

निषाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा है।

पुलिस के मुताबिक, संजय निषाद पर कथित रूप से हमला उस समय किया गया, जब वह रविवार देर रात एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

संजय निषाद के बेटे प्रवीण निषाद संतकबीरनगर से भाजपा सांसद हैं और इस बार फिर भाजपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बनाया है।

जनता की कमाई पर 'पंजा' मारना चाहती है कांग्रेस : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर गम्भीर आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि यह पार्टी देश पर 'माओवादी सोच' थोपकर और जनता की कमाई पर कब्जा कर उसे लोगों में बांटना चाहती है। हालांकि मोदी ने इस बार यह वितरण मुसलमानों के बीच किए जाने की बात नहीं कही।

प्रधानमंत्री ने अलीगढ़ में भाजपा प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से पार्टी उम्मीदवार अनूप वाल्मीकि के समर्थन में आयोजित जनसभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर 'तुष्टीकरण' करने का आरोप लगाया और कहा कि इन दलों ने पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों की सामाजिकआर्थिक स्थिति को बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया)' पर बेहद गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा, मैं देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं कि कांग्रेस और उसके गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई और संपत्ति पर है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी संपत्ति है, उसकी जांच करेंगे। इतना ही नहीं, वह कहते हैं कि यह जो संपत्ति है उसको सरकार अपने कब्जे में लेकर सबको बांट देगी। यह उनका चुनाव घोषणा पत्र कह रहा है।

मोदी ने कहा, आप सोचिए हमारी माताओं और बहनों के पास सोना होता है। वह स्त्री धन होता है। उसे पवित्र माना जाता है। कानून भी उसकी रक्षा करता है लेकिन अब इनकी (कांग्रेस) नजर कानून बदलकर हमारी माताओंबहनों की संपत्ति छीनने पर है। उनके मंगलसूत्र पर इन लोगों की नजर है।

'योगी जैसा साथी मेरे लिए गर्व की बात'

अलीगढ़/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि योगी आदित्यनाथ जैसा साथी होना उन्हें गर्व की अनुभूति देता है। मोदी ने यहां आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि एक समय था जब हमारी बहन बेटियां घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं। योगी की सरकार में अपराधियों में हिम्मत नहीं है कि वो नागरिकों का अमन चैन बिगाड़ें। प्रधानमंत्री ने कहा जो लोग योगी जी की पहचान केवल बुलडोजर से करते हैं उन्हें अपनी आंख खोल लेना चाहिए। यूपी में आजादी के बाद जितना औद्योगिक विकास हुआ, उतना अकेले योगी जी के कालखंड में हुआ है। ओडीओपी का उनका मिशन आज पूरे देश में नई इज्ज़त प्राप्त कर रहा है।

सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

सूरत/भाषा। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र वापस लिए जाने के बाद सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मुकेश दलाल को इस सीट से निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम मौजूदा लोकसभा चुनाव में भाजपा की पहली जीत का प्रतीक है। जिलाधिकारी सह चुनाव अधिकारी सौरभ पारधी ने दलाल को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र सौंपने के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, ''मैं घोषणा करता हूं कि भाजपा उम्मीदवार मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल को सूरत संसदीय क्षेत्र से सदन के लिए विधिवत निर्वाचित घोषित किया जाता है।''

'नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश से आतंकवाद को खत्म कर दिया है जबकि नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। छत्तीसगढ़ के कांकेर शहर में एक चुनावी रैली में शाह ने कहा कि नक्सली आत्मसमर्पण करें, अन्यथा उन्हें दो साल में राज्य से जड़ से उखाड़ दिया जाएगा।

सुरक्षाबलों ने 16 अप्रैल को कांकेर जिले में एक मुठभेड़ के दौरान 29 नक्सलियों को मार गिराया था, जिसमें 15 महिलाएं भी शामिल थीं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि उनके परिवार की चार पीढ़ियां देश की सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने छत्तीसगढ़ में गरीबों के लिए क्या किया। शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता अपने वोट बैंक के लालच में अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए।

केंद्रीय गृहमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 10 वर्षों में देश में बहुत बड़ा परिवर्तन लाया है और उनके पास 10 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड और 25 वर्षों का एजेंडा है। शाह ने कहा, पिछले 10 वर्षों के दौरान नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को समाप्त किया। मोदी जी ने इस देश से नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर ला दिया।

संदीप और जायसवाल ने रॉयल्स को मुंबई इंडियन्स पर दिलाई जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। संदीप शर्मा के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शतक से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स को नौ विकेट से हराकर प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

इस जीत से रॉयल्स के आठ मैच में सात जीत से 14 अंक हो गए हैं और उसने अंक तालिका के शीर्ष पर चार अंक की मजबूत बढ़त बना ली है। मुंबई के आठ मैच में तीन जीत से सिर्फ छह अंक हैं और टीम सातवें स्थान पर चल रही है।

मुंबई के 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल (नाबाद 104) ने नाबाद शतक जड़ने के अलावा जोस बटलर (35) के साथ पहले विकेट के लिए 74 और कप्तान संजू सैमसन (28 गेंद में नाबाद 38, दो छक्के, दो चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 109 रन की अटूट साझेदारी जिससे रॉयल्स ने आठ गेंद शेष रहते एक विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की। जायसवाल ने 60 गेंद की अपनी पारी में नौ चौके और सात छक्के मारे।

इंडियन प्रीमियर लीग 2024

मुंबई इंडियन्स ने इससे पहले तिलक वर्मा (45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 65 रन) के अर्धशतक और निहाल वढेरा (49) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 99 रन की साझेदारी से खराब शुरूआत से उबरते हुए नौ विकेट पर 179 रन बनाए। वढेरा ने 24 गेंद का सामना करते हुए चार छक्के और तीन चौके मारे।

रॉयल्स की तरफ से संदीप शर्मा (18 रन पर पांच विकेट) ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की। ट्रेंट बोल्ट (32 रन पर दो विकेट) ने उनका अच्छा साथ निभाते हुए दो विकेट चटकाए। युजवेंद्र चहल (48 रन पर एक विकेट) और आवेश खान (49 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट हासिल किया लेकिन दोनों काफी महंगे साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स को जायसवाल और बटलर ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 61 रन जोड़कर शानदार शुरूआत दिलाई। बटलर ने मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या के पहले ही ओवर में लगातार दो चौके मारे जबकि जायसवाल ने गेराल्ड कोएट्जी पर छक्का जड़ने के बाद इसी ओवर में दो और चौके मारे। दोनों बल्लेबाजों ने छठे ओवर में तुषारा परेरा पर दो-दो चौके भी मारे जिसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो लगभग 40 मिनट के विलंब के बाद दोबारा शुरू हुआ। पीयूष चावला ने बटलर को बोल्ड करके मुंबई को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने 25 गेंद का सामना करते हुए छह चौके मारे।

जायसवाल ने चावला की गेंद पर चौके और फिर एक रन के साथ 31 गेंद में सत्र का पहला अर्धशतक पूरा किया। वह हालांकि इसी ओवर में भाग्यशाली रहे जब लॉन्ग ऑफ पर निहाल वढेरा ने उनका कैच टपका दिया और गेंद छह रन के लिए चली गई। जायसवाल ने नबी पर छक्के के साथ 11वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

सांसद एवं शिक्षाविद् अच्युत सामंत ने उद्योगपति रतन टाटा को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई। प्रसिद्ध उद्योगपति और परोपकारी, टाटा समूह के चेयरमैन एमेरिटस रतन टाटा को सोमवार को प्रतिष्ठित कीस (केआईएसएस) मानवतावादी सम्मान 2021 से सम्मानित किया गया। मुंबई में उनके निजी आवास पर आयोजित किया गया था पुरस्कार समारोह जिसमें उन्हें कीट-कीस-कीम्स के संस्थापक एवं कंधमाल लोकसभा सांसद महान शिक्षाविद प्रो.अच्युत सामंत द्वारा सम्मानित किया गया। यह सामाजिक विकास और अनुकरणीय कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की एक महत्वपूर्ण मान्यता है।

इस समारोह में टाटा समूह के अध्यक्ष एन.चंद्रशेखरन और तीन बार के ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज सहित अन्य लोग उपस्थित थे। यह पुरस्कार केआईआईटी (कीट) और केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत द्वारा प्रदान किया गया। स्वास्थ्य कारणों से, टाटा सार्वजनिक उपस्थिति से बच रहे हैं, जिसके कारण उनके घर पर समारोह की निजी व्यवस्था की गई है। आमतौर पर प्रशंसा स्वीकार करने में संकोच करने वाले रतन टाटा, कीस मानवतावादी सम्मान के महत्व को पहचानते हुए, डॉ. अच्युत सामंत के व्यक्तिगत अनुरोध के बाद इस पुरस्कार को स्वीकार करने के लिए सहमत हुए। इस पुरस्कार की घोषणा 2021 में की गई थी, लेकिन तब कोविड महामारी के कारण यह पुरस्कार रतन टाटा प्राप्त करने में असमर्थ थे। अपनी स्वीकृति में टाटा ने घखड्ड और इसके संस्थापक डॉ. सामंत के प्रति आभार व्यक्त किया। मैं यह सम्मान पाकर बेहद खुश हूं। यह मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण क्षण है, उन्होंने टिप्पणी की। डॉ. सामंत ने कहा, 'रतन टाटा भारत में एक सम्मानित नाम है, और वह वास्तव में एक अच्छे इंसान हैं। आज उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। रतन टाटा के सामाजिक कार्य और नेतृत्व ने मुझे बचपन से ही प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि मेरे पिता टाटा कंपनी के कर्मचारी थे। तब से, मैं रतन टाटा का सम्मान करता हूं और उन्हें पसंद करता हूं। जब मैं सिर्फ चार साल का था, मेरे पिता की एक ट्रेन दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। वर्ष 2008 में डॉ. अच्युत सामंता द्वारा शुरू किए गए कीस मानवतावादी सम्मान कीस और कीट संस्थान का सर्वोच्च सम्मान है जो दुनिया भर में मानवीय कार्यों की भावना को मूर्त रूप देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को मान्यता देने के लिए समर्पित है।

कांग्रेस 'गारंटी' प्रलोभन है, जद एस ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से अनुरोध किया कि वह कांग्रेस को गारंटी कार्ड प्रसारित और वितरित करने से रोके। जद(एस) ने निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया कि इन गारंटी का मकसद लोकसभा चुनाव में चुनावी रिश्वतखोरी को बढ़ावा देना और मतदाताओं को प्रलोभन देना है। निर्वाचन आयोग को लिखे एक पत्र में जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए न्याय पत्र शीर्षक के तहत एक घोषणा पत्र प्रकाशित और जारी किया है जो पांच न्याय पर केंद्रित है और इसमें 25 गारंटी के तहत युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों और सामाजिक न्याय को कवर किया गया है।

पत्र में आरोप लगाया गया है कि उपरोक्त वर्गीकरण के तहत कांग्रेस ने विभिन्न वादों और आश्वासनों की घोषणा करके समाज के विभिन्न समूहों तक पहुंचने की कोशिश की है जो प्रलोभन और लालच देने के समान है और इसके परिणामस्वरूप न केवल संबंधित वादों को लागू नहीं किया जा सकता बल्कि राज्य और केंद्र के सरकारी खजाने के लिए भी यह भारी बोझ है। पत्र में यह भी आरोप लगाया गया कि उन 25 गारंटी में से छह का मतदाताओं के दिमाग पर सीधा प्रभाव और परिणाम होता है और ये भ्रष्ट चुनावी कदाचार' और मतदाताओं को प्रलोभन' देने के समान हैं। क्षेत्रीय पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस एक कदम आगे बढ़ गई है क्योंकि पूरे भारत में घरों में वितरित किए जा रहे गारंटी कार्ड पर प्रमुख कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और एम मल्लिकार्जुन खरगे के वचनदाता के रूप में हस्ताक्षर हैं। जद (एस) ने आरोप लगाया, ''मतदाताओं को दिया गया यह प्रलोभन आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत विभिन्न प्रावधानों का भी उल्लंघन है।'' पार्टी ने चुनाव निकाय से कांग्रेस को घर-घर इन गारंटी कार्ड का वितरण करने से रोकने के लिए त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने का अनुरोध किया ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित हो सके।

कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ ठोस कार्रवाई करे, क्योंकि उन्होंने 'विभाजनकारी एवं दुर्भावनापूर्ण' बयान देकर आचार संहिता का स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है।

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणी और कुछ अन्य विषयों पर शिकायतें कीं। इस प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और गुरदीप सप्पल शामिल थे। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, हमने कुल 17 शिकायतें की हैं। ये सभी शिकायतें गंभीर हैं और देश के संविधान के मूल सिद्धांतों पर आघात करने वाली हैं। हम आशा करते हैं कि जल्द से जल्द ठोस और स्पष्ट कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को इस प्रकार का वक्तव्य नहीं देना चाहिए। उनके 'एक्स' हैंडल पर भी इस टिप्पणी को साझा किया गया है। मैं इसे नहीं दोहराऊंगा, क्योंकि यह भद्दा है। इसमें एक समुदाय का नाम लिया गया है। इसमें कहा गया है कि वह समुदाय संसाधनों को हड़प लेगा। उस समुदाय को घुसपैठिया बताया गया है। इसमें मंगल सूत्र की बात की गई है। सिंघवी ने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री के पद पर आसीन एक व्यक्ति ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 का उल्लंघन किया है। भारतीय संविधान की अस्मिता पर प्रहार किया गया है।

उन्होंने कहा, भारत, संविधान, प्रधानमंत्री के पद और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता का सवाल है...जो आम आदमी के विषय में करते हैं, वो प्रतिबंध लगाना पड़ेगा, चाहे कोई व्यक्ति कितना ही बड़ा है, क्योंकि यह संवैधानिक अस्मिता का सवाल है। कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में प्रधानमंत्री की टिप्पणी को विभाजनकारी और दुर्भावनापूर्ण बताया है।

निर्वाचन आयोग को प्रधानमंत्री के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए: सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने 'संपत्ति बांटे जाने' संबंधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की टिप्पणी को लेकर सोमवार को कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में राजनीतिक विमर्श इतना नीचे कभी नहीं गिरा और इस मामले में निर्वाचन आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद करोड़ों लोग निराश होंगे। 1950 के बाद से संभवत: किसी अन्य प्रधानमंत्री ने ऐसा बयान नहीं दिया है। इस भाषण में कहा गया है कि हमारे अल्पसंख्यक, जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं, वे घुसपैठिए हैं। यह किस तरह की राजनीति है?'' सिब्बल ने कहा, आप राम मंदिर की बात करते हैं, मंदिर का उद्घाटन करते हैं, राम के आदर्शों के बारे में बात करते हैं और दूसरी ओर आप नफरत फैलाते हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' कहां है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को प्रधानमंत्री को नोटिस जारी करना चाहिए और कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को राजस्थान की एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आती है, तो वह लोगों की संपत्ति लेकर मुसलमानों को बांट देगी। मोदी ने यह बात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक बयान का हवाला देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि देश के संसाधनों पर 'पहला हक' अल्पसंख्यक समुदाय का है।

प्रहलाद जोशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे संत ने नाम वापस लिया

हुब्बल्ली। लोकसभा चुनाव में धारवाड़ से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के खिलाफ निर्दलीय के रूप में मैदान में उतरे एक वीरशैव-लिंगायत संत ने अपने गुरु के आदेशों का हवाला देते हुए सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। शिराहट्टी फक्किरेश्वर मठ के फकीरा दिंगलेश्वर स्वामी ने जोशी के खिलाफ वीरशैव-लिंगायत और अन्य समुदायों को ''दबाने'' का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। हालांकि, दिंगलेश्वर स्वामी ने कहा कि वह अपना ''धर्म युद्ध'' जारी रखेंगे। इससे पहले दिन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने संत से अपना नामांकन वापस लेने और कांग्रेस को समर्थन देने का अनुरोध किया था। कर्नाटक में सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए सोमवार को उम्मीदवारी वापस लेने का आखिरी दिन था।

जम्मू कश्मीर में जल्द होंगे विधानसभा चुनाव: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द ही होंगे और केंद्र शासित प्रदेश के लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकास एजेंडे का समर्थन करने के लिए चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने को लेकर उत्साहित हैं।

'पीटीआई-भाषा' से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है, लेकिन विपक्षी दल 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद से जमीनी स्थिति को गलत तरह से पेश कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, विपक्षी दल जम्मू कश्मीर में जमीनी स्थिति का गलत चित्रण करने में लगे हुए हैं। अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद जम्मू कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है। जम्मू कश्मीर में जल्द ही चुनाव होंगे, जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में उधमपुर की एक रैली में कहा था। ये तो होना ही है और ये जल्द ही होगा। वर्ष 2018 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ गठबंधन से भाजपा के हटने के बाद से जम्मू कश्मीर में कोई निर्वाचित सरकार नहीं है। यह केंद्र के शासन के अधीन है, जिसमें 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया और जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखा था।

केजरीवाल को जमानत देने का अनुरोध करने वाली याचिका खारिज, अदालत ने लगाया जुर्माना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए ''असाधारण अंतरिम जमानत'' का अनुरोध करने वाली एक विधि छात्र की जनहित याचिका सोमवार को खारिज कर दी और याचिकाकर्ता पर 75,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। केजरीवाल कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में न्यायिक हिरासत में हैं।

विवादों में घिरे आप नेता के वकील ने भी जनहित याचिका का विरोध करते हुए कहा कि केजरीवाल खुद कानूनी उपाय करने में सक्षम हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पी एस अरोड़ा की पीठ ने टिप्पणी की कि यह याचिका ''उचित विचार करके दायर नहीं की गई'' और अदालत उच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति को ''असाधारण अंतरिम जमानत'' नहीं दे सकती। पीठ ने कहा, क्या याचिकाकर्ता कॉलेज में कक्षा में जाता है? क्या याचिकाकर्ता की उपस्थिती अच्छी है?ऐसा लगता है कि वह कानून के सिद्धांतों का पालन नहीं कर रहा। अदालत ने टिप्पणी की कि 'आप' नेता के पास अपने कानूनी विकल्पों का लाभ लेने के लिए कदम उठाने के साधन हैं और याचिकाकर्ता के पास उनकी ओर से दलीलें पेश करने के लिए कोई वकालतनामा नहीं है।

उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा, आप कौन हैं? आप अपने आप के बारे में ज्यादा ही बढ़ा-चढ़ाकर सोच रहे हैं। आप कहते हैं कि आपके पास वीटो शक्ति है कि आप (यह सुनिश्चित करने के लिए) वचन देंगे (कि केजरीवाल गवाह को प्रभावित न करें)।

थरूर के खिलाफ उम्मीदवार उतार कर वाम दलों ने गलती की: प्रकाश राज

तिरुवनंतपुरम/ भाषा। अभिनेता प्रकाश राज ने सोमवार को कहा कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले एलडीएफ ने कांग्रेस नेता शशि थरूर के खिलाफ उम्मीदवार खड़ा करके गलती की।

प्रकाश राज को विभिन्न सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर वाम समर्थक रुख अपनाने के लिए जाना जाता है। राज ने थरूर की तारीफ करते हुए कहा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक नेता भी सुनते हैं। उन्होंने कहा कि वामपंथियों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जाल में नहीं फंसना चाहिए था, जो चाहती है कि दोनों धर्मनिरपेक्ष मोर्चे आपस में लड़ें, ताकि मतों को विभाजन हो और वह लाभ प्राप्त कर सके। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं वामपंथी उम्मीदवार (भाकपा नेता पन्नियन रवींद्रन) को जानता हूं। वह एक अच्छे इंसान और अच्छे नेता हैं।

सीयूईटी-स्नातक, नेट के लिए अंकों का सामान्यीकरण खत्म किया जाएगा : यूजीसी प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) और राष्ट्रीय अर्हता परीक्षा (नेट) में इस साल से अंकों का सामान्यीकरण समाप्त कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। कुमार ने कहा, इस साल अंकों के सामान्यीकरण की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि किसी विषय की दोनों परीक्षा एक ही पाली में आयोजित की जाएगी।

सामान्यीकरण एक छात्र के अंक को इस तरह से संशोधित करने की एक प्रक्रिया है कि वह दूसरे के अंक के साथ तुलनीय हो जाए। यह तब आवश्यक हो जाता है जब एक ही विषय की परीक्षा कई सत्रों में आयोजित की जाती है, प्रत्येक सत्र में अलग-अलग प्रश्नपत्र होते हैं। छात्र परीक्षा में उनके प्रदर्शन पर 'अनुचित रूप से' प्रभाव डालने वाले अंकों के सामान्यीकरण के बारे में चिंता जता रहे थे।

कुमार ने कहा, पहले, हमें यथासंभव छात्रों को पहली पसंद का केंद्र प्रदान करने के प्रयास में एक ही विषय के लिए दो या तीन दिनों में परीक्षा आयोजित करनी पड़ती थी। लेकिन इस वर्ष, ओएमआर प्रणाली अपनाने से बड़ी संख्या में केंद्र के रूप में विद्यालय और महाविद्यालय उपलब्ध होंगे, जिससे हम एक ही दिन में देश भर में परीक्षा आयोजित करने में सक्षम होंगे।

कर्नाटक में सूखा के मुद्दे के समाधान के लिए निर्वाचन आयोग ने मंजूरी दी : केंद्र ने न्यायालय से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्र ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि निर्वाचन आयोग ने उसे सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में कर्नाटक द्वारा उठाये गए मुद्दों का समाधान करने की खातिर मंजूरी दे दी है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश देने संबंधी कर्नाटक सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है।

केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा, निर्वाचन आयोग ने सरकार को इस मुद्दे का समाधान करने की मंजूरी दे दी है। मुझे लगता है कि इसे तेजी से किया जाना चाहिए। पीठ ने विषय को स्थगित करते हुए कहा, इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए...हमारा एक संघीय ढांचा है।

शीर्ष अदालत ने आठ अप्रैल को याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि केंद्र और राज्य के बीच विवाद नहीं होने दें। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता और अटार्नी जनरल वेंकटरमणि ने पीठ से कहा कि वे इस विषय पर निर्देश लेंगे। याचिका में, यह घोषित करने का भी अनुरोध किया गया है कि एनडीआरएफ के अनुरूप सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता नहीं जारी करना संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत राज्य के लोगों को प्रदत्त मूल अधिकारों का हनन है।

इसमें कहा गया है कि राज्य सूखे की गंभीर स्थिति का सामना कर रहा है जिससे इसके लोग और खरीफ सत्र 2023 प्रभावित हुआ है। 236 में से 223 तालुका को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है। याचिका में कहा गया है कि 196 तालुका को सूखे से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र की श्रेणी में रखा गया है। अधिवक्ता डी एल चिदनंदा के मार्फत दायर याचिका में कहा गया है कि खरीफ 2023 सत्र के दौरान 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नुकसान पहुंचा, जिससे 35,162 रुपये का अनुमानित नुकसान हुआ है। इसमें कहा गया है कि एनडीआरएफ के तहत केंद्र से 18,171.44 करोड़ रुपये की सहायता मांगी गई है।

केंद्र से सूखा राहत दिलाने में न्यायालय का हस्तक्षेप 'मील का पत्थर' : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने राज्य को सूखा प्रबंधन कोष दिलाने में उच्चतम न्यायालय के 'हस्तक्षेप' की सोमवार को प्रशंसा की। उन्होंने इसे राज्य की जनता के लिए राहत और न्याय सुनिश्चित करने की लड़ाई में अपनी सरकार की जीत करार दिया। इससे पहले सोमवार को ही केंद्र ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि निर्वाचन आयोग ने उसे सूखा प्रबंधन के लिए वित्तीय सहायता के संबंध में कर्नाटक द्वारा उठाये गए मुद्दों का समाधान करने की मंजूरी दे दी है।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सूखा प्रबंधन के लिए राज्य को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता जारी करने का निर्देश देने संबंधी कर्नाटक सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा, निर्वाचन आयोग ने सरकार को इस मुद्दे का समाधान करने की मंजूरी दे दी है। मुझे लगता है कि इसे तेजी से किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीठ इस मामले पर अगले सप्ताह सुनवाई कर सकती है। पीठ ने विषय को स्थगित करते हुए कहा, 'इसे सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए...हमारा एक संघीय ढांचा है।' सिद्दरामैया ने कहा,कर्नाटक के लोगों के लिए न्याय और राहत सुनिश्चित करने की हमारी लंबी लड़ाई में यह मील का पत्थर और सफलता है।''

गाज़ीपुर 'लैंडफिल' पर आग लगने को लेकर आप-भाजपा में तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्वी दिल्ली के गाज़ीपुर 'लैंडफिल' स्थल (कचरा एकत्र करने की जगह) में लगी आग को लेकर सोमवार को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) शासित दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) पर हमला किया। आग लगने के बाद स्थानीय निवासी सांस लेने में परेशानी का सामना करने के साथ ही स्वास्थ्य संबंधी अन्य समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जाएगी। पूर्वी दिल्ली में 'लैंडफिल' स्थल पर रविवार शाम भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि ऐसा अनुमान है कि गर्म और शुष्क मौसम के कारण गाजीपुर 'लैंडफिल साइट' में आग लगी है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के बाबत गाजीपुर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 278 (वातावरण को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाना) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गाजीपुर 'लैंडफिल' स्थल का सोमवार को दौरा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। महापौर शेली ओबेरॉय भी घटनास्थल पर गईं और उन्होंने कहा कि यह राजनीति का समय नहीं है। उपमहापौर आले मोहम्मद इकबाल ने रविवार को घटनास्थल का दौरा किया था। गाज़ीपुर लैंडफिल स्थल में भीषण आग लगने के कई घंटों बाद भी सोमवार को वहां से धुएं का घना गुबार आसमान की ओर उठता दिख रहा था। कूड़े के ढेर का एक हिस्सा टूट जाने से 'लैंडफिल' से सटी टिन पैनल से बनी दीवार भी गिर गई। पोल्ट्री मार्केट की तरफ कई मीटर लंबी दीवार खड़ी की गई थी।

ईरान-इजराइल तनाव घटने से सोना, चांदी रिकॉर्ड स्तर से नीचे आये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम एशिया में तनाव घटने के बीच कमजोर वैश्विक रुख होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गईं।

सोने के भाव में 450 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के कारण दिल्ली में सोना 450 रुपए की गिरावट के साथ 73,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। शुक्रवार को सोना 74,100 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

इसी तरह, चांदी की कीमत भी 1,100 रुपए लुढ़ककर 85,500 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। इसका पिछला बंद भाव 86,600 रुपए प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमत (24

कैरेट) 73,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। यह पिछले बंद भाव से 450 रुपए कम है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,365 डॉलर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद भाव से 26 डॉलर नीचे है। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने के बाद सुरक्षित-संपत्ति की मांग कम होने से सोमवार को सोने का कारोबार कमजोर रुख के साथ शुरू हुआ।

गांधी ने कहा कि इसके अलावा, अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के साथ-साथ वर्ष 2024 में फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कम होने से कीमती धातु की कीमतों पर असर पड़ा। चांदी भी गिरावट के साथ 27.95 डॉलर प्रति औंस पर रही। पिछले सत्र में यह 28.66 डॉलर प्रति औंस पर रही थी।

इस बीच, एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोना 888 रुपए गिरकर 71,918 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सबसे अधिक कारोबार वाला जून अनुबंध दिन के कारोबार में 71,704 रुपए प्रति 10 ग्राम के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया।

इसके अलावा, मई डिलिवरी के लिए चांदी अनुबंध भी 1,785 रुपए की गिरावट के साथ 81,722 रुपए प्रति किलोग्राम पर रहा।

गुकेश ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता, विश्व खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/टोरंटो। भारत के 17 वर्ष के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा। गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला। विश्व चैम्पियन के चैलेंजर का निर्धारण करने वाले इस टूर्नामेंट में उनके 14 में से नौ अंक रहे। वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे।

चेन्नई के रहने वाले गुकेश ने कास्पोरोव का रिकॉर्ड भी तोड़ा। कास्पोरोव 1984 में 22 साल के थे जब उन्होंने रूस के ही अनातोली कारपोव को विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिये चुनौती दी थी। गुकेश ने जीत के बाद कहा , बहुत राहत महसूस कर रहा हूं। मैं फेबियानो कारूआना और इयान नेपाम्नियाश्चि के बीच मैच देख रहा था। इसके बाद टहलने चला गया जिससे मदद मिली। गुकेश को 88500 यूरो (78.5 लाख रूपये) ईनाम के तौर पर भी मिले। इस टूर्नामेंट की कुल ईनामी राशि पांच लाख यूरो है। वह यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय बन गए। पांच बार के विश्व चैम्पियन आनंद ने 2014 में खिताब जीता था। आनंद ने एक्स पर लिखा, डी गुकेश को सबसे युवा चैलेंजर बनने पर बधाई। आपकी उपलब्धि पर गर्व है। मुझे निजी तौर पर तुम पर बहुत गर्व है जिस तरह से तुमने कठिन हालात में खेला। इस पल का मजा लो। गुकेश को जीत के लिये ड्रॉ की ही जरूरत थी और उन्होंने नकामूरा के खिलाफ कोई कोताही नहीं बरती। दोनों का मुकाबला 71 चालों के बाद ड्रॉ पर छूटा। दूसरी ओर कारूआना और नेपाम्नियाश्चि की बाजी भी ड्रॉ रही। अगर दोनों में से कोई जीतता तो टाइब्रेक होता। गुकेश ने कहा, ''वो 15 मिनट पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा तनावपूर्ण थे। मैं कमेंट्री सुन रहा था और फिर मैं अपने ट्रेनर के साथ टहलने निकल गया। उसके बाद मेरे पिता दौड़ते हुए आये।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास बेहतरीन सहयोगी हैं। मैं उनके नाम नहीं लूंगा लेकिन उन्हें पता है कि मैं उनका कितना शुक्रगुजार हूं।'' कारूआना, नेपाम्नियाश्चि और नकामूरा तीनों के 8 . 5 अंक रहे और वे संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा सात अंक लेकर पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। विदित गुजराती ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा से ड्रॉ खेला और वह छठे स्थान पर रहे। अलीरजा सातवें और अबासोव आठवें स्थान पर रहे। गुकेश ने 12 वर्ष की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब जीता था और वह शतरंज के इतिहास में तीसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने। उन्होंने हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक भी जीता था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने गुकेश को बधाई दी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और विपक्ष के नेता ई.के. पलानीस्वामी ने टोरंटो में प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रचने वाले 17 साल के शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश को सोमवार को बधाई दी। मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष स्टालिन ने गुकेश की सफलता को 'शानदार उपलब्धि' करार दिया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''उन्होंने महज 17 साल की उम्र में, फिडे कैंडिडेट्स' में सबसे कम उम्र का चैलेंजर बनने के बाद इसमें जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया। विश्व शतरंज चैम्पियनशिप खिताब के लिए डिंग लिरेन के खिलाफ मुकाबले के लिए उन्हें शुभकामनाएं।'' राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने एक्स' पर लिखा, 'फिडे कैडिडेट्स' टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे कम उम्र के चैलेंजर बनकर इतिहास रचने पर डी गुकेश को मेरी हार्दिक बधाई।'' तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सेल्वापेरुन्थागई के साथ राज्य के अन्य नेताओं ने चेन्नई के इस किशोर खिलाड़ी को बधाई दी। वह इस साल के अंत में खिताब के लिए मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे।

विश्वनाथन आनंद, गुकेश, प्रज्ञानानंदा जैसे सितारे देने वाले चेन्नई का शतरंज से है गहरा नाता

चेन्नई। शतरंज से चेन्नई के खास लगाव का अहसास शहर का चक्कर लगाने भर से हो जाता है जहां नेपियर ब्रिज शतरंज के बोर्ड की तरह सजा हुआ है तो इमारतों पर भित्तिचित्र और जगह जगह लगे कोचिंग केंद्रों के विज्ञापन इसकी बानगी देते हैं। चेन्नई में शतरंज की क्रांति लाने का श्रेय वेलाम्मल संस्थानों को जाता है।

इसी नर्सरी से निकले ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सोमवार को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और विश्व खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए। इसी संस्थान से आर प्रज्ञानानंदा भी निकले हैं। वेलाम्मल के शतरंज कोआर्डिनेटर एस वेलावन ने कहा, ''शतरंज शहर की संस्कृति का हिस्सा है और पाठ्यक्रम में इसे शामिल करने से काफी फर्क पड़ा है। उनके पास विश्वनाथन आनंद जैसा प्रेरणास्रोत भी है।'' उन्होंने कहा, ''यहां आने वाले अधिकांश बच्चों की शतरंज में काफी दिलचस्पी है तो हमें उन्हें कुछ बोलना नहीं पड़ता। वे पढाई और शतरंज में तालमेल बिठा लेते हैं। शतरंज में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे पढने में भी होशियार होते हैं।'' उनका इशारा तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता द्वारा 2013 में स्कूलों में शुरू किया गया '7 टू 17 कार्यक्रम' की ओर था। वेलाम्मल संस्थानों ने पांच साल विश्व स्कूल शतरंज चैम्पियनशिप जीती और प्रज्ञानानंदा 2021 में टीम का हिस्सा थे। वर्ष 2005 के बाद से इस स्कूल से एस पी सेतुरमन, लियोन मेंडोंका, के प्रियदर्शन, बी अधिबान, विष्णु प्रसन्ना, विकास एनआर, विग्नेस एनआर , एम कार्तिकेयन, सी अराविंद, कार्तिक वेंकटरमन, वी प्रणव, एस भरत, अर्जुन कल्याण, पी कार्तिकेयन, एन श्रीनाथ जैसे ग्रैंडमास्टर निकले हैं। वहीं महिला वर्ग में वर्षिणी एस, आर वैशाली, आर रक्षिता, बी सविता श्री जैसे ग्रैंडमास्टर यहां से निकले हैं। वेलावन ने कहा, ''हम यह सुनिश्चित करते हैं कि बच्चे नियमित टूर्नामेंट खेलते रहे ताकि लंबे समय तक खेल से दूर नहीं रहे। इससे उनका विकास बाधित होगा। उन्हें अंडर 11, अंडर 15, अंडर 17 स्तर पर भी खेलना होगा।'' चेन्नई में इस समय 60 मान्य शतरंज अकादमियां है जिनमें प्रज्ञानानंदा के कोच ग्रैंडमास्टर आर बी रमेश का शतरंज गुरूकुल शामिल है। वेलावन ने कहा, 'शतरंज की मजबूत परंपरा को बनाये रखना आसान नहीं है। हमें खुशी है कि गुकेश और प्रज्ञानानंदा जैसे खिलाड़ियों ने नयी लहर की शुरूआत की है।'

गुकेश की सफलता में छिपा है माता-पिता का त्याग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद सुर्खियां बटोर रहे हैं लेकिन 1% साल के इस खिलाड़ी के सपने को हकीकत में बदलने के लिए उनके माता–पिता को कई त्याग करने पड़े। गुकेश शतरंज खेलना जारी रख सकें इसलिए उनके पिता को अपने करियर को रोकना पड़ा और खर्चों को पूरा करने के लिए क्राउड फंडिंग' का भी सहारा लेना पड़ा। ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए । उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा । गुकेश के पिता रजनीकांत ईएनटी सर्जन है जबकि उनकी मां 'माइक्रोबायोलोजिस्ट' है।

रजनीकांत ने 2017–18 में अपने पेशे से विराम लिया और बेहद की कम बजट में अपने बेटे के साथ दुनिया भर का सफर पूरा किया। इस दौरान परिवार का खर्च चलाने की जिम्मेदारी उनकी मां ने उठायी। गुकेश के बचपन के कोच विष्णु प्रसन्ना ने पीटीआई–भाषा से कहा, उनके माता–पिता ने बहुत त्याग किये हैं्।'' उन्होंने कहा, ''उनके पिता ने अपने करियर की लगभग बलि चढा दी जबकि उनकी मां परिवार का भरण–पोषण कर रही हैं । गुकेश और उनके पिता ज्यादातर समय यात्रा कर रहे होते है। यात्रा के कारण गुकेश के माता पिता को एक दूसरे से मिलने का भी मौका बेहद मुश्किल से मिलता है।''

गुकेश जनवरी 2019 में 12 साल, सात महीने और 17 दिन की उम्र में भारत के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर बने थे। चिकित्सकों के परिवार से आने के बावजूद गुकेश बचपन से ही शतरंज को लेकर जुनूनी रहे हैं्। उनके समर्पण को देखते हुए, उनके माता–पिता ने उन्हें चौथी कक्षा के बाद पूर्णकालिक स्कूल जाने से रोकने का फैसला किया। प्रसन्ना ने कहा, वह कुछ समय से किसी भी परीक्षा में नहीं बैठा है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि वह इस स्तर पर अकादमिक रूप से कुछ भी करने की कोशिश कर रहा है। मुझे नहीं पता कि वह इसमें वापस जाएगा या नहीं्। उसकी मां हालांकि इस चीज को लेकर थोड़ी चिंतित जरूर रहती है।'' गुकेश के पास कोई प्रायोजक नहीं था और उन्हें पुरस्कार राशि और 'क्राउड–फंडिंग' से अपने वित्त का प्रबंधन करना पड़ता था, लेकिन इन सबके बावजूद वह पिछले साल अपने आदर्श विश्वनाथन आनंद को पछाड़कर भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी बनने में सफल रहे।

प्रसन्ना इस बात से प्रभावित है कि गुकेश ने कितनी तेजी से सफलता की ऊंचाइयों को छुआ्। उन्होंने इस खिलाड़ी की उपलब्धियों का श्रेय खेल के प्रति जुनून के साथ सीखने और सुधार करने की इच्छा शक्ति को दिया। प्रसन्ना ने कहा, ''यह उनका अविश्वसनीय प्रदर्शन है। इस स्तर तक पहुंचने के लिए, आपको कई चीजों पर सही काम करने की जरूरत है और यह एक बड़ी उपलब्धि है। इतिहास में उनका नाम पहले ही दर्ज हो चुका है।'' सात साल की उम्र में खेल खेलना सीखने के बाद, गुकेश 2017 में प्रसन्ना के पास आये थे। उन्होंने कहा, हम 2017 में मिले और जैसे ही हमने एक साथ काम करना शुरू किया, उसने आईएम मानदंडों को हासिल करना शुरू कर दिया। इसी तरह चीजें इतनी तेजी से होने लगीं कि दो साल के अंदर वह ग्रैंडमास्टर बन गया।

तांबरम और बरौनी के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें

चेन्नई। दक्षिण रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ग्रीष्म की छुट्टियों के मद्देनजर यात्रियों के बढ़ते दबाव को देखते हुए अतिरिक्त ट्रेन विशेष ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया।

ट्रेन नं. 06061 तांबरम–बरौनी साप्ताहिक स्पेशल 25 अप्रैल , 02 , 09 , 16 , 23 मई, 30 मई, 06 , 13 , 20 , 27 जून (गुरुवार) को 18.15 बजे तांबरम से रवाना होगी और तीसरे दिन 13.55 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 06062 बरौनी–ताम्बरम साप्ताहिक स्पेशल 27 अप्रैल , 04 , 11 , 18 , 25 मई, 01 , 08 , 15 , 22 , 29 जून (शनिवार) को 23.55 बजे बरौनी से रवाना होगी और तीसरे दिन 22.45 बजे तांबरम पहुंचेगी। इस ट्रेन में 13 द्वितीय श्रेणी कोच, सात सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच, 2 द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) कोच होंगे।

सेंथिल बालाजी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को धन शोधन से जुड़े एक मामले से संबंधित कुछ दस्तावेज एकत्र करने के लिए सोमवार को यहां एक सत्र न्यायालय में पेश किया गया। बालाजी को धन शोधन मामले में पिछले वर्ष प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था।

बालाजी को प्रधान सत्र न्यायाधीश एस अली के समक्ष पेश किया गया और अदालत में दो बैंक चालान सहित कुछ दस्तावेज प्रस्तुत किए गये। न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई 25 अप्रैल के लिए निर्धारित करते हुए बालाजी की न्यायिक हिरासत भी अगली सुनवाई तक बढ़ा दी, जिसके बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता को वापस पुझल जेल ले जाया गया। बालाजी ने 28 मार्च को मुकदमे में उनकी याचिका पर उनके पक्ष की दलीलें फिर से शुरू करने की अपील की थी। बालाजी के पक्ष की दलीलें कुछ दिन पहले ही समाप्त हुई थीं। बालाजी ने अपनी याचिका में कहा कि उन्होंने अदालत से बैंक अधिकारियों को दो मूल चालान पेश करने का निर्देश देने की अपील की थी, जिस पर अदालत ने समन भी जारी किया था लेकिन आज तक बैंक अधिकारियों ने इसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया।

न्यायाधीश ने 17 अप्रैल को जेल अधिकारियों को बैंक चालान दाखिल करने के लिए बालाजी को आज (सोमवार) अदालत में पेश करने का निर्देश दिया था।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नकदी के बदले नौकरी' घोटाले में 14 जून 2023 को सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार किया था। यह घोटाला पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के दौरान का है जब बालाजी परिवहन मंत्री थे।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में सोमवार को बेंगलूरु दक्षिण से भाजपा के प्रत्याशी तेजस्वी सूर्या के चुनाव प्रचार में भाग लेते हुए तमिलनाडु भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई। उन्होंने रोड शो में भाग लिया और लोगों से भाजपा के समर्थन में मतदान की अपील की।

तमिलनाडु सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाई

चेन्नई। केरल में बर्ड फ्लू की जानकारी मिलने के बाद तमिलनाडु सरकार ने सीमावर्ती इलाकों में सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारी ने बताया कि अनैकट्टी, गोपालपुरम और वालयार इलाकों में चौकसी बढ़ा दी गई है। इन क्षेत्रों में प्रत्येक चेकपोस्ट पर 12 पुलिस अधिकारी तैनात हैं। तमिलनाडु पहुंचने वाले वाहन की गहन तलाशी ली जा रही है। तमिलनाडु के पशुपालन अधिकारियों ने बताया कि जब भी पड़ोसी राज्यों से बर्ड फ्लू के मामले सामने आते हैं, तो विभाग सतर्कता बढ़ा देता है। पशु चिकित्सक और पैरामेडिक टीम के सदस्य भी राज्य की सीमाओं पर सर्च टीमों का हिस्सा हैं।

मुल्लापेरियार बांध के पास कार पार्किंग: न्यायालय ने तमिलनाडु की आपत्ति पर केरल से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के इस निष्कर्ष का विरोध किया कि केरल ने मुल्लापेरियार बांध के पास एक मेगा कार पार्किंग परियोजना के क्रियान्वयन के दौरान अक्टूबर 1886 के पेरियार झील पट्टा समझौते के तहत आने वाली भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने केरल के खिलाफ तमिलनाडु द्वारा दायर मूल मुकदमे में सुनवाई के लिए कानूनी मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की।

पीठ ने कहा, ''तमिलनाडु ने सर्वेक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए एक हलफनामा दायर किया है। प्रतिवादी (केरल) को उक्त आपत्तियों के संबंध में एक हलफनामा दायर करना होगा।'' इसने केरल को तमिलनाडु द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया और दोनों राज्यों से उन मुख्य कानूनी मुद्दों को अंतिम रूप देने के लिए कहा जिन पर निर्णय लेने की आवश्यकता है। तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर हलफनामे में सर्वेक्षण रिपोर्ट पर आपत्ति जताई गई और कहा गया कि यह तथ्यात्मक रूप से गलत है कि समूची कार पार्किंग का निर्माण पट्टे वाले क्षेत्र के बाहर किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन और उमापति ने तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व किया तथा कहा कि भारतीय सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट को खारिज किए जाने की जरूरत है।

सर्वेक्षण रिपोर्ट 5 मार्च, 2024 को सीलबंद लिफाफे में शीर्ष अदालत में दाखिल की गई थी जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि मेगा कार पार्किंग का निर्माण पट्टा जलक्षेत्र के भीतर नहीं किया गया है और इससे जल भंडारण प्रभावित नहीं होता। शीर्ष अदालत ने 11 नवंबर, 2023 को भारतीय सर्वेक्षण विभाग को यह पता लगाने का आदेश दिया था कि मेगा कार पार्किंग का निर्माण 29 अक्टूबर, 1886 के पेरियार झील पट्टा समझौते के तहत आने वाली भूमि के किसी हिस्से पर किया गया है या नहीं।

मोदी संविधान बदलने के लिए दो-तिहाई बहुमत की खातिर '400 पार' का नारा लगा रहे हैं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

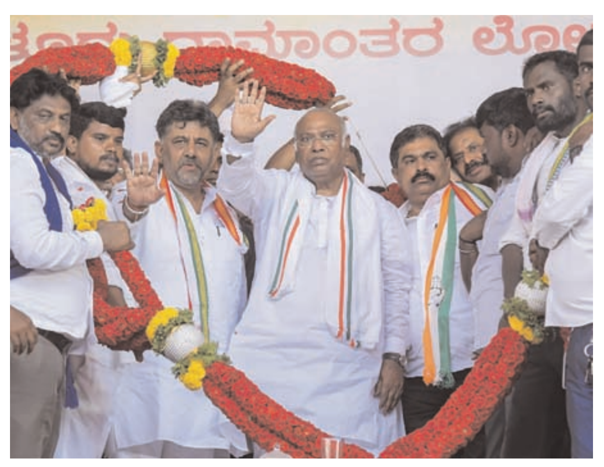

चन्नापटना। कांग्रेस प्रमुख एम. मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव प्रचार के दौरान '400 पार' का नारा इसलिए लगा रहे हैं ताकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को लोकसभा में दो–तिहाई बहुमत मिल सके जो संविधान बदलने के लिए जरूरी है।

खरगे ने कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का छाप होने के प्रधानमंत्री के आरोप को लेकर उन पर प्रहार करते हुए कहा कि वह मोदी के साथ खुली बहस करने को राज़ी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। अगर आप इन मुद्दों पर वोट करेंगे तो वोट कांग्रेस को जाएगा। अगर आप कांग्रेस को वोट नहीं देंगे तो देश में कोई संविधान या लोकतंत्र नहीं रहेगा। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मोदी दो–तिहाई बहुमत मांग रहे हैं। वह '400 पार' कह रहे हैं, क्योंकि संविधान बदलने के लिए दो–तिहाई बहुमत की जरूरत है, दो–तिहाई बहुमत पाने के लिए मोदी '400 पार' कह रहे हैं्।

उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं को संविधान बदलने वाले बयानों पर बोलने से क्यों नहीं रोक रहे हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं्। खरगे ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि वह भी चाहते हैं कि ऐसा हो, मोदी भी यह चाहते हैं्। कांग्रेस के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग के घोषणापत्र से करने के लिए मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा, अगर हम कहते हैं कि हम युवाओं को रोजगार देंगे, तो क्या यह मुस्लिम लीग है? क्या नारी न्याय...किसानों के लिए एमएसपी को वैध बनाना –यह मुस्लिम लीग है? उनके मुंह में जो भी आता है, वह बोलते हैं्। प्रधानमंत्री ने रविवार को राजस्थान में कहा था कि कांग्रेस जनगणना कराकर लोगों के पास जो संपत्ति है, उसे इकट्ठा करेगी और मुसलमानों को देगी।

खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री होने के नाते उन्हें सोच–समझकर बोलना चाहिए्। पार्टी के घोषणापत्र में विभिन्न 'गारंटी' को रेखांकित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ''वह (मोदी) जहां भी कहें, मैं उनसे हमारे घोषणा पत्र पर खुली बहस को तैयार हूं। मैंने हमारे घोषणापत्र में उल्लेखित चीजों को बताया है और इसे मुस्लिम लीग और राष्ट्र–विरोधी घोषणापत्र कहने के लिए उनसे सवाल करता हूं।'' खरगे ने मोदी पर बेवजह गांधी परिवार को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि 1989 से लेकर अब तक गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रधानमंत्री, मंत्री या मुख्यमंत्री नहीं रहा है, लेकिन, वह (मोदी) अब भी गांधी परिवार पर हमला करना बंद नहीं करेंगे। खरगे ने आरोप लगाया कि अगर कोई इस देश को बांटने की कोशिश कर रहा है तो वह मोदी हैं्। उन्होंने प्रधानमंत्री पर हिंदुओं और मुसलमानों तथा दलितों और अन्य जातियों के बीच नफरत फैलाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, मोदी हिट एंड रन (आरोप लगाने और भाग जाने) के लिए जाने जाते हैं्। उन्होंने प्रधानमंत्री से अपनी बात पर कायम रहने और मुद्दों पर चर्चा करने का आग्रह किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, हम मोदी के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उनकी विचारधारा, आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ हैं्। मोदी एक व्यक्ति हैं और उन्हें निशाना क्यों बनाया जाए? खरगे ने कहा, मगर मुश्किल यह है कि भाजपा और मोदी खुद कहते हैं––मोदी की गारंटी, मोदी का वादा , मोदी ने कर दिखाया। हर चीज़ के लिए आप मोदी कहेंगे तो फिर हम किसकी आलोचना करें? वे भाजपा का नाम नहीं लेते, सब कुछ मोदी ही हैं, तो हम भी निशाना साधने के लिए मोदी का नाम लेते हैं।

मंत्री के बेटे की कार को नुकसान पहुंचाने के आरोप में पीएमके कार्यकर्ता गिरफ्तार

चेन्नई। तमिननाडु के अरक्कोणम शहर में शुक्रवार को मतदान के दिन राज्य के हथकरघा एवं कपड़ा मंत्री आर. गांधी के बेटे विनोथ गांधी की कार को कथित रूप से क्षतिग्रस्त करने के आरोप में रविवार को एक पीएमके कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार कार्यकर्ता की पहचान के. वैरामुथु के रूप में हुई है।

चुनाव के दौरान, विनोथ गांधी, जो मुख्य मतदान एजेंट थे, अरक्कोणम शहर के पास चिथेरी गांव के सरकारी हाई स्कूल में एक मतदान केंद्र पर आए थे। हालांकि उनके पास मतदान केंद्रों में प्रवेश करने के लिए चुनाव अधिकारी द्वारा जारी वाहन पास था, लेकिन पुलिस ने कहा कि पीएमके कार्यकर्ताओं ने उनके प्रवेश पर आपत्ति जताई और कथित तौर पर उनकी कार रोक दी क्योंकि मतदान केंद्र के 100 मीटर के भीतर आम वाहनों की अनुमति नहीं थी। पुलिस ने कहा कि इसके कारण बूथ के पास द्रमुक और पीएमके पदाधिकारियों के बीच विवाद हो गया और भीड़ में शामिल लोगों ने वहां से लौटते समय विनोथ गांधी की कार की पिछली विंडशील्ड को क्षतिग्रस्त कर दिया। अरक्कोणम के पुलिस उपाधीक्षक वेंकटेशन ने विनोथ गांधी की शिकायत के आधार पर जांच कर वैरामुथु को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

भाजपा अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए करती है काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

किशनगढ़। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के लिए काम करती है। शर्मा सोमवार को लोकसभा चुनाव के रण में मार्बल एसोसिएशन, किशनगढ़ के सभागार में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि उन्हें जनता का विश्वास जीतना है तथा जनता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है क्योंकि चुनाव राजनैतिक कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में कोई भी मैसेज 15 मिनिट में हर स्तर के कार्यकर्ता तक पहुंचकर उस पर कार्यवाही भी शुरू हो जाती है, ऐसा सिस्टम केवल भाजपा के पास ही है।

उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के बाद राजनीतिक दलों और राजनेताओं की तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार और लूट-झूठ की राजनीति को बदलने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा देती थी जबकि गरीब कल्याण से उनका कोई सरोकार नहीं है। प्रधानमंत्री ने देश के विकास के साथ गरीब कल्याण एवं सीमा सुरक्षा सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। मोदी ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में किए वादों को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ईआरसीपी के द्वारा पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों में पानी पहुंचाने का काम कर रही है। ईआरसीपी के माध्यम से इन जिलों में पेयजल के साथ 2 लाख 80 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई भी होगी।

गत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी पर अटकाने, लटकाने तथा भटकाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा 30 साल से लंबित ऐतिहासिक यमुना जल समझौता किया गया। इसके माध्यम से राजस्थान को अपने हिस्से का पूरा पानी मिलेगा।

शर्मा ने कहा कि पेपरलीक को रोकने के लिए हमारी सरकार के गठन के तुरंत बाद ही एसआईटी का गठन किया गया तथा एसआईटी ने इन प्रकरणों पर त्वरित कार्रवाई कर 97 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि राज्य संविधान से चलता है तथा ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले बड़े से बड़े व्यक्ति को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि गैंगवार सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सरकार द्वारा एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राजस्थान में पेट्रोल तथा डीजल की दरें हर जिले में अलग-अलग थी। इससे आमजन को काफी समस्या का सामना करना पड़ता था। हमने पेट्रोल-डीजल के दामों में कमी की तथा राज्य में पेट्रोल-डीजल की दरों में विसंगति को दूर कर जनता से किए वादे को पूरा किया है। शर्मा ने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार रुपये, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 150 रुपये की बढ़ोतरी कर 1150 रुपये करने, जनप्रतिनिधि का भत्ता बढ़ाने जैसे निर्णय हमारी सरकार ने लिए हैं। उन्होंने कहा कि हमने सरकार बनने के केवल 90 दिनों में ही संकल्प पत्र में किए 45 प्रतिशत वादे पूर्ण कर दिए हैं। हम संकल्प पत्र में किए गए प्रत्येक वादे को पूरा करेंगे।

शर्मा ने कहा कि वर्ष 2014 एवं 2019 की तरह इस बार भी राजस्थान में भाजपा 25 लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाएं, हर बूथ पर कमल का फूल खिलाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करें।

जालोर संसदीय क्षेत्र में वैभव गहलोत एवं लुंबाराम चौधरी के बीच मुख्य मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालोर। राजस्थान में पिछले बीस साल साल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबदबा वाले जालौर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र में फिर से अपनी साख कायम करने के लिए कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को चुनाव मैदान में उतारा है जहां उनका मुख्य मुकाबला भाजपा के युवा उम्मीदवार लुंबाराम चौधरी से होने के आसार हैं। हालांकि इस क्षेत्र में वर्ष 1952 से 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक सात चुनावों में जीत दर्ज करके कांग्रेस का दबदबा रहा है लेकिन वर्ष 2004 से पिछले चार चुनावों में लगातार भाजपा बाजी मारकर क्षेत्र में अपना राजनीतिक दबदबा कायम कर लिया है। भाजपा ने इससे पहले वर्ष 1989 में यहां से चुनाव जीतकर अपना खाता खोला था।

इस बार कांग्रेस ने उलटफेर करते हुए वैभव गहलोत को उनके पिता अशोक गहलोत के गृह जिले एवं उनकी साख वाले जोधपुर क्षेत्र से चुनाव मैदान में नहीं उतारकर जालोर सिरोही क्षेत्र में आजमाया है। वैभव गहलोत पिछला लोकसभा चुनाव जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी गजेन्द्र सिंह शेखावत से हार गये थे।

इस बार लोकसभा चुनाव में जोधपुर से गहलोत भी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं और वह जालोर में अपने पुत्र को जिताने में लगे हैं। जालोर से भाजपा एवं कांग्रेस उम्मीदवार के अलावा भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के उम्मीदवार ओटाराम ने भी ताल ठोक रखी है। बीएपी के अलावा अन्य कुछ दलों के प्रत्याशियों एवं निर्दलीय सहित इस चुनाव में नौ उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इस क्षेत्र में दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा।

इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा चार बार बूटा सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने यहां से तीन बार कांग्रेस प्रत्याशी एवं एक बार निर्दलीय उम्मीदवार के रूप लोकसभा का चुनाव जीता जबकि भाजपा के देवजी पटेल तीन बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वर्ष 1952 के पहले लोकसभा चुनाव में यहां निर्दलीय उम्मीदवार भवानी सिंह ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पहले सांसद बने। इसके बाद वर्ष 1957 में हुए दूसरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सूरज रतन दामानी ने चुनाव जीता। इसके बाद 1962 के चुनाव में कांग्रेस के ही हरीश चंद्र माथुर , 1967 में स्वतंत्र पार्टी के देवकीनंदन पाटोदिया, 1971 के चुनाव में फिर कांग्रेस के नरेन्द्र कुमार सांघी, 1977 में जनता पार्टी के उम्मीदवार हुकम राम , वर्ष 1980 में कांग्रेस (आई) के वृंदा राम फुलवारियां, 1984 में कांग्रेस के बूटा सिंह, 1989 में भाजपा के कैलाश मेघवाल, 1991 में फिर कांग्रेस के बूटा सिंह, 1996 में कांग्रेस के ही परसा राम मेघवाल, 1998 में फिर बूटा सिंह (निर्दलीय), एवं वर्ष 1999 में भी कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में बूटा सिंह, वर्ष 2004 में भाजपा की सुशीला बंगारू ने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 2009, 2014 एवं 2019 में भाजपा के ही देवजी पटेल ने पन्द्रह वर्षों तक लगातार तीन बार सांसद रहे। इस बार उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया और उनकी जगह युवा नेता लुंबाराम चौधरी को चुनाव मैदान में उतार दिया जहां उनका मुख्य मुकाबला कांग्रेस के वैभव गहलोत से माना जा रहा है।

वसुंधरा एवं उनके बेटे दुष्यंत का झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र में गत 35 सालों से राजनीतिक दबदबा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़-बारां। राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और उनके पुत्र दुष्यंत सिंह का पिछले 35 सालों से झालावाड़ संसदीय क्षेत्र में राजनीतिक दबदबा हैं और इस बार भी प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 26 अप्रैल को इस क्षेत्र में होने वाले चुनाव में दुष्यंत सिंह लगातार पांचवीं जीत दर्ज करने एवं अपना दबदबा बरकरार रखने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी के रुप में चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं जहां उनका मुख्य मुकाबला पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया की पत्नी एवं कांग्रेस उम्मीदवार उर्मिला जैन भाया से माना जा रहा है। इस क्षेत्र में इन दोनों प्रमुख दलों के अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के चन्द्र सिंह किराड़, राइट टू रिकाल पार्टी के भुवनेश कुमार एवं निर्दलीयों सहित सात उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

देश के पहले लोकसभा चुनाव 1952 से लेकर 2004 तक के चुनाव तक झालावाड़ संसदीय क्षेत्र एवं इसके पश्चात परिसीमन के बाद वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव से यह क्षेत्र झालावाड़-बारां संसदीय क्षेत्र कहलाता है और इसमें आजादी के बाद से अब तक हुए सत्रह चुनावों में सर्वाधिक नौ बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधितव मां-बेटे ने ही किया हैं। श्रीमती राजे ने वर्ष 1989 के नौवीं लोकसभा के चुनाव में झालावाड़ संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़कर चुनाव जीता और इस क्षेत्र में पार्टी का खाता खोला। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वह इसके अगले चार चुनाव वर्ष 1991, 1996, 1998 एवं 1999 लगातार जीतकर पांच बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

इसके बाद वर्ष 2004 का चुनाव दुष्यंत सिंह ने लड़ा और वह पहली बार सांसद बनकर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद झालावाड़ के साथ बारां को भी जोड़ देने से झालावाड़-बारां से सिंह ने वर्ष 2009, 2014 एवं 2019 के लगातार चुनाव जीतकर इस क्षेत्र से चार बार सांसद बनने का गौरव प्राप्त किया और पांचवीं बार जीतने के लिए चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इस क्षेत्र का पहला चुनाव 1952 में कांग्रेस ने जीता। पहले चुनाव में कांग्रेस के नेमीचंद कासलीवाल विजयी रहे और उन्होंने इसके अगला चुनाव 1957 का भी कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में जीता लेकिन इसके बाद कांग्रेस यहां से लंबे समय बाद वर्ष 1984 का चुनाव जीत पाई जिसमें उसके प्रत्याशी जुझार सिंह ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद कांग्रेस को आज तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला है। इस क्षेत्र में भारतीय जनसंघ के प्रत्याशी बृजराज सिंह ने वर्ष 1962, 1967 एवं 1971 का लगातार तीन चुनाव जीते। इसके बाद जनता पार्टी के चतुर्भुज ने वर्ष 1977 एवं 1980 का चुनाव जीता। इस बार के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा के लिए कोई कड़ी मुश्किलें नहीं मानी जा रही हैं और उसका मुख्य मुकाबला कांग्रेस से ही होने के आसार हैं। इस क्षेत्र में पिछले लंबे समय से श्रीमती राजे का राजनीतिक दबदबा हैं और वह दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रही हैं और अपने क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ मानी जा रही है। हालांकि वह लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ रही है लेकिन उनके पुत्र के सामने इस चुनाव में कोई मुश्किलें खड़ी होती नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान में अब तक 73 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने किया घर से मतदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव में अब तक 73 हजार से अधिक बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाता घर से मतदान किया हैं जो रिकॉर्ड 97.64 प्रतिशत पहुंच गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत प्रदेश में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है और प्रदेश में अब तक दोनों चरणों में रिकॉर्ड 97.64 प्रतिशत मतदान हुआ है। पंजीकृत कुल बुजुर्गों में से 97.57 प्रतिशत मतदान किया है। दिव्यांगों का मतदान प्रतिशत भी 97 प्रतिशत से अधिक है।

गुप्ता ने बताया कि सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 248 ऐसे मतदाता मतदान किया है। इनमें 56 हजार 284 बुजुर्ग तथा 16 हजार 964 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। 1050 मतदाताओं की मृत्यु होने तथा 1770 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से मतदान नहीं कर सके।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 97.03 प्रतिशत ने मतदान किया है। अब तक कुल 37 हजार 723 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। इनमें 29 हजार 715 बुजुर्ग, 8008 दिव्यांग, 632 की मृत्यु जबकि 1156 घर पर नहीं मिले। 14 अप्रैल से 21 अप्रैल तक द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों के लिए होम वोटिंग की गयी। अनुपस्थित रहने की स्थिति में 22 एवं 23 अप्रैल को मतदान का अवसर दुबारा दिया जा रहा है।

गुप्ता ने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के तहत 98.30 प्रतिशत मतदान हुआ है। कुल 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इनमें 26 हजार 569 बुजुर्ग जबकि 8956 दिव्यांग मतदाता है, साथ ही 418 वोटर्स की मृत्यु हो गयी तथा 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

पूजा

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस के साथ सोमवार को मेहंदीपुर बालाजी पहुंचकर वहां पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मिश्र ने कहा कि मेहंदीपुर बालाजी पावन तीर्थ स्थल है। हनुमानजी का यह पवित्र धाम आस्था और विश्वास से जुड़ा है। उन्होंने हनुमानजी का अभिषेक किया और सबके मंगल की कामना की।

मोदी उनियारा में आज विजय शंखनाद सभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के लिए मंगलवार को फिर राजस्थान आ रहे हैं। मोदी टोंक सवाईमाधोपुर लोकसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सुखबीर सिंह जौनपुरिया के समर्थन में आयोजित विजय शंखनाद सभा को संबोधित करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार मोदी मंगलवार सुबह साढ़े बजे टोंक जिले के उनियारा क्षेत्र में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान मोदी जौनपुरिया के समर्थन में अधिक से अधिक मतदान करने की जनता से अपील करेंगे। उल्लेखनीय है मोदी ने रविवार को राजस्थान में अलग अलग जनसभाओं को संबोधित किया था।

दूसरे चरण के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए आवश्यक दिशानिर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार साहू ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दूसरे चरण के सभी जिला कलक्टर और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर लोकसभा आम चुनाव-2024 की तैयारियों की लोकसभा क्षेत्रवार समीक्षा की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के उच्चाधिकारियों ने बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए ईवीएम से जुडें समस्त प्रोटोकॉल का विशेष तौर पर रिप्लेसमेंट की स्थिति में एसओपी का ध्यान रखने पर बल दिया। राजनैतिक दलों को ईवीएम कमिशनिंग की सूचना देने एवं उनकी सभी जिज्ञासाओं का तर्कपूर्ण जवाब दिए जाने के निर्देश दिए। आवश्यकतानुसार समय-समय पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं प्रत्याशियों के साथ बैठक करने का भी सुझाव दिया।

साहू ने विधानसभा चुनाव-2023 के समय राजस्थान द्वारा मतदान दिवस एवं इससे पूर्व के 72 घंटों के समय की गयी संपूर्ण व्यवस्थाओं की सराहना की एवं साथ ही सुझाव दिया कि इस बार भी इस एसओपी का विशेष ध्यान रखा जाना है एवं मतदान दिवस को त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराने के लिए पहले से ही तंत्र विकसित किया जाना है।

लोकसभा चुनावों के समय गर्मी के मौसम को देखते हुए मतदान दल के सदस्यों के साथ-साथ मतदाताओं के लिए छाया, पेयजल एवं लू से बचाव के उपाय सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों एवं जिला पुलिस अधीक्षकों से उनके जिले में लॉजिस्टिक अरेंजमेंट, बैलेट पेपर प्रिंटिंग, ईटीबीपीएस की स्थिति, होम वोटिंग, प्रशिक्षण, मतदान दल रवानगी व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, सी-विजिल, शिकायत, जब्ती की स्थिति एवं एमसीएमसी की कार्य प्रक्रिया की वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की।

बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने आयोग के उच्चाधिकारियों को प्रदेश में उत्साहपूर्वक चल रही होम वोटिंग, केन्द्रीय पर्यवेक्षकों के साथ समन्वय के बारे में जानकारी प्रदान की साथ ही बताया कि इस बार मतदाता सूचना पर्ची को विशेष कैंप्स का आयोजन कर बीएलओ के माध्यम से वितरित करवाया गया है।

लोकसभा चुनाव में उदयपुर सुरक्षित सीट पर दो पूर्व अधिकारियों में मुख्य मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वर्ष 1998 में भाजपा के शंतिलाल चपलोत ने चुनाव जीता जबकि वर्ष 2004 में भाजपा की किरण माहेश्वरी यहां से सांसद बनी। वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस के रघुवीर मीण ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

उदयपुर। राजस्थान में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा आम चुनाव के दूसरे चरण में उदयपुर (अनुसूचित जनजाति) लोकसभा सीट पर इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं कांग्रेस के बीच दो पूर्व अधिकारियों में मुख्य मुकाबला होने के आसार है। अब तक हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का दबदबा वाली इस सीट पर इस बार इन दोनों ही प्रमुख दलों ने नये चेहरों पर दांव खेला हैं और भाजपा ने परिवहन विभाग में अतिरिक्त आयुक्त रहे मन्ना लाल रावत को चुनाव मैदान में उतारा हैं जबकि कांग्रेस ने उदयपुर में कलेक्टर रह चुके ताराचंद मीणा को अपना प्रत्याशी बनाया हैं। इनके अलावा बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के दलपत राम गरासिया, भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के प्रकाश चंद्र एवं इंडियन पीपुल्स ग्रीन पार्टी के राजेन्द्र कुमार मीणा एवं तीन निर्दलीयों सहित आठ उम्मीदवार इस चुनाव में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं।

इस संसदीय क्षेत्र की आठ विधानसभा क्षेत्रों में गोगुन्दा, झाड़ोल, उदयपुर, उदयपुर ग्रामीण एवं सलूम्बर में भाजपा के विधायक हैं जबकि धरियावद एवं आसपुर में बीएपी तथा खेरवाड़ा में कांग्रेस का विधायक हैं। ऐसे में वर्तमान में संसदीय क्षेत्र में भाजपा की राजनीतिक स्थिति मजबूत मानी जा रही है। हालांकि चुनाव में राजनीतिक दलों के नेता अपने अपने उम्मीदवार की जीत के दावे कर रहे हैं। इस चुनाव में भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी एवं केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को लेकर चुनाव प्रचार कर रही हैं जबकि कांग्रेस पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय किए गए कार्यों एवं कांग्रेस द्वारा अपने घोषणा पत्र में की गई गारंटियों का प्रचार कर मतदाताओं को अपने पक्ष में करने का प्रयास कर रही है।

आजादी के बाद से अब तक हुए सत्रह लोकसभा चुनावों में सर्वाधिक दस बार चुनाव जीतकर कांग्रेस ने इस क्षेत्र में अपना राजनीतिक दबदबा रखा हैं लेकिन पिछले दो चुनावों में लगातार भाजपा का कब्जा हैं। वर्ष 1952 के पहले चुनाव से वर्ष 1967 तक लगातार कांग्रेस का इस सीट पर कब्जा रहा और इस दौरान वर्ष 1952 में बलवंत सिंह मेहता, 1957 में दीनबंधु परमार, 1962 एवं 1967 में धुलेश्वर मीणा ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 1971 में जनसंघ के लालजीभाई मीणा जीते जबकि वर्ष 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के भानु प्रकाश शास्त्री सांसद बनकर इस क्षेत्र से संसद पहुंचे।

इसके बाद वर्ष 1980 के चुनाव में फिर कांग्रेस ने वापसी की और कांग्रेस आई के मोहन लाल सुखाडिया ने चुनाव जीता और वर्ष 1984 में उनकी पत्नी इंदुबाला सुखाड़िया इस क्षेत्र से सांसद बनी। वर्ष 1989 में भाजपा के उम्मीदवार गुलाब चंद कटारिया ने चुनाव जीतकर पार्टी के लिए यहां से खाता खोला और इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद फिर कांग्रेस ने वापसी करते हुए उसकी प्रत्याशी गिरिजा व्यास ने लगातार वर्ष 1991 एवं 1996 के दो लोकसभा चुनाव जीते और इसके बाद उन्होंने वर्ष 1999 में भी चुनाव जीतकर कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

वर्ष 1998 में भाजपा के शंतिलाल चपलोत ने चुनाव जीता जबकि वर्ष 2004 में भाजपा की किरण माहेश्वरी यहां से सांसद बनी। वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस के रघुवीर मीण ने चुनाव जीतकर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। इसके बाद वर्ष 2014 एवं 2019 के दोनों लोकसभा चुनाव भाजपा के अर्जुन लाल मीणा ने जीते और दस साल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया और नये चेहरे मन्नालाल रावत पर भरोसा जताया है।

कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की, मोदी ने विकास से राजनीति की संस्कृति को बदल दिया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लोरमी (छत्तीसगढ़)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पर वोट-बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर किसी का विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश में राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर जिले के लोरमी कस्बे में एक चुनावी रैली में नड्डा ने पिछले 10 वर्षों में भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि इस दौरान अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ, अनुच्छेद 370 की समाप्ति हुई और तीन तलाक को खत्म कर दिया गया। यह रैली बिलासपुर लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार तोखन साहू के पक्ष में आयोजित की गई थी। यहां सात मई को मतदान होगा।

नड्डा ने कहा, आज मोदी जी के नेतृत्व में राजनीति की संस्कृति बदल गई है। पहले पूछा जाता था कि कौन सी जाति (व्यक्ति) का है, अगड़ा या पिछड़ा, नदी के इस पार का या उस पार का, पहाड़ का या मैदान का है..कांग्रेस ने भाई-भाई को लड़ाया और वोट की राजनीति की। लेकिन मोदी जी ने भारत की राजनीति की परिभाषा बदल दी। उन्होंने काम करने का तरीका बदल दिया। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में देश 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के नारे के साथ आगे बढ़ रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि

उन्होंने (कांग्रेस) तुष्टीकरण की राजनीति की, जबकि मोदी जी ने 'विकासवाद' की राजनीति की।

नड्डा ने कांग्रेस पर हमला करते हुए दावा किया कि कांग्रेस ने हमेशा भगवान राम और सनातन धर्म का विरोध किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा राम विरोधी और सनातन विरोधी रही है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाले संप्रग शासन के दौरान जब सोनिया गांधी संप्रग अध्यक्ष थीं, तब उन्होंने अदालत में हलफनामा दिया था कि राम काल्पनिक हैं और उनका कोई ऐतिहासिक आधार नहीं है...क्या यह सच नहीं है कि उनके वकील ने अदालत में राम मंदिर सुनवाई की तारीख को बढ़ाने की बात कही थी वरना इस मामले में फैसले का फायदा भाजपा को मिलेगा। उन्होंने (राम मंदिर निर्माण में) बाधा डालने का काम किया। राम मंदिर ट्रस्ट ने उन्हें (कांग्रेस को) अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित किया लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। क्या ऐसे राम-विरोधी लोगों को, जो हर चीज़ में राजनीति देखते हैं, आपका समर्थन मिलना चाहिए?'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, वे सनातन विरोधी हैं। कांग्रेस के साथी और द्रमुक नेता स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन 'सनातन' को डेंगू और मलेरिया कहते हैं लेकिन राहुल गांधी कुछ नहीं बोलते। यहां तक कि सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी कुछ नहीं बोलीं... एक और द्रमुक नेता ए राजा ने सनातन को एचआईवी से जोड़ दिया। क्या इन लोगों को समर्थन मिलना चाहिए। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को देश विरोधी ताकतों का समर्थन करने में मजा आता है। उन्होंने कहा, हाल ही में कर्नाटक में, जब नासिर हुसैन राज्यसभा के लिए चुने गए, तो विधानसभा में पाकिस्तान समर्थक नारे लगाए गए। लेकिन कांग्रेस प्रमुख और कर्नाटक से आने वाले मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ नहीं बोला। नड्डा ने लोगों से कहा, जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुसकर उरी (आतंकी हमले) का बदला लिया तब कांग्रेस पार्टी ने सबूत मांगा। क्या ऐसी राष्ट्र-विरोधी ताकतों को आगे आने की अनुमति दी जानी चाहिए?'' लोगों ने 'ना' में जवाब दिया।

अयोध्या में 90 अनिवासी भारतीयों ने किए राम मंदिर में दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अयोध्या में 30 देशों के 90 अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ दिल्ली से आये लगभग 400 लोगों ने राम मंदिर में दर्शन किए और सरयू आरती में हिस्सा लिया।

भूटान के राजदूत मेजर जनरल वेत्सोप नामग्याल और निर्वासित केंद्रीय तिब्बती प्रशासन की संसद के अध्यक्ष वेन खेनपो सोनम तेनफेल भी रविवार को यहां पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। उन्होंने बताया कि 30 देशों के 90 अनिवासी भारतीयों तथा अन्य लोगों ने राम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी मंदिर का दौरा किया और सरयू आरती में भाग लिया। अयोध्या दौरे पर आए दल का नेतृत्व 'दिल्ली स्टडी ग्रुप' के अध्यक्ष और दिल्ली के पूर्व विधायक विजय जॉली ने किया। राम मंदिर के पुजारियों ने रामनामी अंगवस्त्र धारण किए सभी आगंतुकों के माथे पर 'चंदन' का तिलक लगाया गया।

जॉली ने बताया कि प्रतिनिधिमण्डल में ताइवान के काउंसलर डोरजिक किन्जांग, भारत में रोमानियाई 'काउंसलर' विजय मेहता और ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, भूटान, कनाडा, कोलंबिया, कंबोडिया, जॉर्जिया, गुयाना, केन्या, कजाकिस्तान, मलेशिया, मोजाम्बिक, मकाऊ, नाइजीरिया, नेपाल, नॉर्वे, रोमानिया, रवांडा, स्पेन, सिंगापुर, सिंट मार्टेन, ताइवान, तजिकिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो, तुवालु, तिब्बत, युगांडा, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान और अमेरिका के एनआरआई शामिल थे।

ओडिशा : लोकसभा और विधानसभा चुनाव में शाही परिवारों के 12 सदस्य आजमा रहे किस्मत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा के लिए एक साथ हो रहे चुनाव में इस बार अलग-अलग शाही परिवार के 12 सदस्य अपनी किस्मत आजमा रहे हैं और आम लोगों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही हैं। ओडिशा में 13 मई से एक जून तक लोकसभा की 21 सीट और विधानसभा के लिए 147 सीट के लिए मतदान होगा।

सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने शाही परिवारों के सबसे अधिक आठ सदस्यों को मैदान में उतारा है, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीन और कांग्रेस ने एक सदस्य को मैदान में उतारा है।

शाही परिवारों के दस सदस्य ओडिशा विधानसभा चुनाव में किस्मत आजमा रहे हैं जबकि दो लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार हैं।

बीजद ने धाराकोटे के दिग्गज नेता दिवंगत ए.एन. सिंहदेव की पोती 28 वर्षीय सुलक्षणा गीतांजलि देवी को सनाखेमुंडी विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार बनाया है।

कानून की डिग्री रखने वाली गीतांजलि देवी विधानसभा चुनाव लड़ने वाली धाराकोटे शाही परिवार की पांचवीं सदस्य हैं। उनके दादा ए. एन. सिंहदेव सुरदा निर्वाचन क्षेत्र से चार बार 1967, 1971, 1977 और 1995 में विधायक निर्वाचित हुए थे और 1989 में अस्का लोकसभा क्षेत्र के सांसद के रूप में चुने गए थे।

उनकी दादी शांति देवी और पिता किशोर चंद्र सिंहदेव भी क्रमशः 1990 और 2004 के चुनावों में इस सीट से चुने गए थे। उनकी मां नंदिनी देवी 2014 में सनाखेमुंडी सीट से जीती थीं। इस बार गीतांजलि 20 मई को होने वाले चुनाव में कांग्रेस के मौजूदा विधायक रमेश चंद्र जेना के खिलाफ मैदान में हैं।

धाराकोटे पंचायत समिति की मौजूदा अध्यक्ष गीतांजलि ने कहा, मुझे अपने दादा, मां और पिता से लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में शामिल होने की प्रेरणा मिली। मैं निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद देती हूं।

बीजद ने चिकिती विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए शाही परिवार की सदस्य उषा देवी के बेटे चिन्मयानंद श्रीरूप देब को मैदान में उतारा है।

शहरी विकास मंत्री उषा देवी के बेटे श्रीरूप देब अपनी मां की सीट चिकिती से चुनावी राजनीति की शुरुआत करने वाले स्थानीय शाही परिवार के तीसरे सदस्य हैं। उनके दादा सच्चिदानंद देव 1971 में इस सीट से चुने गए थे, जबकि उनकी मां उषा देवी 2000 से लगातार पांच बार विधानसभा सदस्य चुनी गईं।

भाजपा ने मौजूदा सांसद संगीता कुमारी सिंह देव को बोलांगीर लोकसभा सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया है। वह बोलांगीर शाही परिवार की सदस्य हैं। उनके पति वरिष्ठ भाजपा नेता केवी सिंह देव को भी पार्टी ने पटनागढ़ विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। संगीता बोलांगीर से लगातार चार बार सांसद निर्वाचित हो चुकी हैं और पांचवी बार इस सीट से संसद पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

बीजद ने बोलांगीर से दो बार के सांसद कलिकेश नारायण सिंह देव को इस बार विधानसभा सीट के लिए मैदान में उतारा है।

भाजपा ने कालाहांडी लोकसभा सीट से पूर्व सांसद अरका केशरी देव की पत्नी मालविका केशरी देव को अपना उम्मीदवार बनाया है। शाही दंपति 2019 में टिकट नहीं मिलने के बाद 2023 में बीजद छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया था। अरका कालाहांडी शाही परिवार के सदस्य और भाजपा नेता बिक्रम केशरी देव के बेटे हैं, जिन्होंने तीन बार इस सीट पर जीत दर्ज की थी।

बीजद ने बामंदा 'रानी' अरुंधति देवी को देवगढ़ विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया है। वह देवगढ़ के पूर्व राजा और भाजपा के संबलपुर सांसद नितेश गंगा देव की पत्नी हैं।

हमारी बढ़त से परेशान विपक्षी दल तुष्टिकरण का सहारा ले रहे हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की करीब 400 सीट पर जीत तय होने के बाद विपक्षी दलों ने तृष्टिकरण की राजनीति, हिंदू विरोधी एजेंडे और राष्ट्र विरोधी ताकतों से हाथ मिलाना शुरू कर दिया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कर्नाटक में कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमथ की बेटी नेहा हिरेमथ (23) की हत्या का हवाला दिया और दावा किया कि राज्य सरकार आरोपियों के धर्म के कारण उचित कार्रवाई नहीं कर रही है।

कॉलेज परिसर में कथित तौर पर पीड़िता की चाकू से गोदकर हत्या करने के आरोपी फैयाज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। भाटिया ने कहा कि निरंजन हिरेमथ ने कहा है कि उन्होंने पुलिस को आठ लोगों के नाम दिए थे जो कथित तौर पर उनकी बेटी की हत्या में शामिल थे लेकिन उनमें से किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया गया है और सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को मामले की जांच करनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया, उनके पिता खुद कह रहे हैं कि उनका पुलिस पर से भरोसा उठ गया है लेकिन मुख्यमंत्री सिद्धरमैया आरोपियों को बचा रहे हैं।

मोदी का कांग्रेस पर लगातार हमला करना समझदारी वाला फैसला नहीं : शरद पवार

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से कांग्रेस पर लगातार हमला किया जाना 'समझदारी वाला फैसला' नहीं है क्योंकि पार्टी सत्ता में नहीं है। अमरावती में मराठी समाचार चैनल 'जी 24 तास' से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री विपक्षी दलों की आलोचना करते रहते हैं, लेकिन भविष्य को लेकर अपनी सरकार या भाजपा की योजनाओं पर चर्चा नहीं करते। पवार ने कहा, कांग्रेस पार्टी कुछ समय से सत्ता में नहीं है। लेकिन मोदी उस पर हमला करते रहते हैं और इसे देश के विकास में बाधा डालने वाली दीवार करार देते हैं। यह एक बुद्धिमानी पूर्ण निर्णय नहीं है। सिर्फ इसलिए कि कुछ दल विपक्ष में हैं इसका मतलब यह नहीं है कि प्रमुख मुद्दों पर उन्हें विश्वास में नहीं लिया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस हालिया बयान के बारे में पूछे जाने पर कि वह दो दलों को विभाजित करने के बाद सत्ता में लौटे हैं, जो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना में विभाजन के संदर्भ में था, पवार ने कहा कि वह आभारी हैं कि वरिष्ठ भाजपा नेता ने खुद सच का खुलासा कर दिया। पवार ने कहा, लोगों को लुभाना, ऐसी स्थिति पैदा करना जिससे पार्टी विभाजित हो जाए, फिर इसे बदला लेना घोषित करना या कुछ लोगों को कुछ निर्णय लेने के लिए प्रभावित करना, यह कोई अच्छी रणनीति नहीं है। हमारे जेहन में फडणवीस की छवि थी कि वह एक अच्छे राजनेता हैं, लेकिन अब उनका असली चेहरा सामने आ गया है।

स्कूलों में नौकरियों पर उच्च न्यायालय का आदेश अवैध, इसे चुनौती देंगे : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगंज/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2016 की शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश को सोमवार को ''अवैध'' करार दिया और कहा कि उनकी सरकार फैसले को चुनौती देगी। बनर्जी ने उत्तर बंगाल के रायगंज में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर कुछ न्यायिक निर्णयों को प्रभावित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, सभी नियुक्तियों को रद्द करने का अदालत का फैसला अवैध है। हम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिनकी नौकरियां चली गई हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको न्याय मिले और आदेश को ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में राज्यस्तरीय चयन परीक्षा-2016 (एसएलएसटी) की भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द करने का आदेश दिया। बाद में, करणदिघी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, सभी फैसलों को स्वीकार करना अनिवार्य नहीं है। हम आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे। यह आदेश चुनाव के बीच भाजपा के निर्देशों के अनुसार पारित किया गया है। भाजपा पर न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते हुए बनर्जी ने कहा, इसने अदालतों को अपने विस्तारित पार्टी कार्यालयों में बदल दिया है। यदि भाजपा कोई जनहित याचिका दायर करती है तो त्वरित कार्रवाई की जाती है और लोगों को जेल भेज दिया जाता है। जब अन्य लोग याचिका दायर करते हैं तो कोई कार्रवाई नहीं की जाती। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय के इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल होने के स्पष्ट संदर्भ में बनर्जी ने कहा, संबंध स्पष्ट है और सभी को दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं... और भाजपा अपने पार्टी कार्यालयों से जो भी सुझाव भेजती है उसे निर्णय के रूप में पारित किया जा रहा है।

राहुल की रैली रद्द होने पर विजयवर्गीय ने कहा, 'जनता में रुझान नहीं होने पर तबीयत खराब हो जाती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के सतना की चुनावी रैली में शामिल नहीं होने पर मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि मतदाताओं में कांग्रेस को लेकर कोई रुझान नहीं होने के कारण राहुल की तबीयत खराब होना स्वाभाविक है। राहुल के रैली में शामिल नहीं होने के लिए पार्टी ने उनकी खराब तबीयत का हवाला दिया है। राहुल को रविवार को सतना लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार सिद्धार्थ कुशवाहा के प्रचार के लिए आयोजित एक रैली को संबोधित करना था। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि तबीयत खराब होने के कारण राहुल इस रैली में शामिल नहीं हो सकेंगें। बाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रैली को संबोधित किया।

विजयवर्गीय ने राहुल का सतना दौरा रद्द होने के बारे में पूछे जाने पर इंदौर में संवाददाताओं से कहा, यह सब इस बात पर

निर्भर करता है कि जनता में (कांग्रेस को लेकर) कैसा रुझान है। अगर जनता रुझान नहीं दिखाती तो तबीयत खराब हो जाती है। ऐसे में (राहुल की) तबीयत खराब होनी स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि अगर किसी नेता के प्रति जनता में रुझान होता है तो वह बुखार से पीड़ित होने के बाद भी मतदाताओं के बीच पहुंच जाता है। विजयवर्गीय ने लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस नेताओं द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाए जाने पर कहा, कांग्रेस जब कोई चुनाव जीतती है तो ईवीएम की आरती उतारती है लेकिन जब वह चुनाव हारती है तो ईवीएम को गाली देने लगती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हालिया बयान में कहा था कि लोकसभा चुनावों में 400 से ज्यादा सीटें जीतने का नारा देने वाली भाजपा देश की मौजूदा आरक्षण व्यवस्था खत्म करना चाहती है।

विजयवर्गीय ने पटवारी के इस बयान को 'मूर्खतापूर्ण' करार देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ऐसे कथनों के जरिये मतदाताओं में गलतफहमी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, देश की आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 लगाया गया था। पटवारी और कांग्रेस के अन्य नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि वहां (जम्मू-कश्मीर में) आरक्षण था क्या? अनुच्छेद 370 हटने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां के दलित भाइयों को आरक्षण दिया।

विजयवर्गीय ने कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र पर निशाना साधते हुए कहा, आप कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र उठाकर देख लीजिए। ऐसा लगता है कि इसे किसी वामपंथी व्यक्ति या मुस्लिम लीग ने बनाया है। कांग्रेस देश के बारे में नहीं, बल्कि कुर्सी के बारे में सोचती है।

मथुरा के शाही ईदगाह विवाद में वक्फ कानून के प्रावधान लागू नहीं होंगे : हिंदू पक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सोमवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि वक्फ कानून के प्रावधान यहां लागू नहीं होंगे क्योंकि विवादित संपत्ति, वक्फ की संपत्ति नहीं है। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन द्वारा की जा रही है। उच्च न्यायालय ने इस मामले की अगली सुनवाई की तिथि 30 अप्रैल तय की।

हिंदू पक्ष की ओर से यह भी कहा गया कि यह वाद पोषणीय है और वाद की गैर पोषणीयता के संबंध में आवेदन पर साक्ष्यों को देखने के बाद ही फैसला किया जा सकता है। हिंदू पक्ष ने यह दलील भी दी कि वह

संपत्ति (शाही ईदगाह मस्जिद) एक मंदिर था जिसे बलपूर्वक कब्जे में लेने के बाद वहां नमाज अदा करना शुरू किया गया, लेकिन इस तरह से भूमि का चरित्र नहीं बदला जा सकता। उसने कहा कि चूंकि वह संपत्ति वक्फ की संपत्ति नहीं है, इसलिए इस अदालत को इस मामले में सुनवाई करने का अधिकार है।

इससे पूर्व, हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा था कि यह वाद पोषणीय है और पूजा स्थल अधिनियम एवं वक्फ अधिनियम के संबंध में अर्जी, पक्षों के साक्ष्यों से ही निर्धारित हो सकती है।

जैन ने कहा था कि महज यह कहने से कि वहां एक मस्जिद है, वक्फ अधिनियम लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि संपत्ति का धार्मिक चरित्र महज ढांचे को ध्वस्त कर बदला नहीं जा सकता, यह देखना जरूरी है कि क्या कथित वक्फ 'डीड' वैध है या नहीं। उन्होंने कहा कि ये सभी चीजें मुकदमे में देखी जानी चाहिए और यह कि मौजूदा वाद पोषणीय है।

समय सीमा की बाध्यता के सवाल पर उन्होंने कहा था कि मौजूदा वाद समय सीमा के भीतर दाखिल किया गया है। उनका कहना था कि 1968 का कथित समझौता वादी के संज्ञान में 2020 में आया और संज्ञान में आने के तीन साल के भीतर यह वाद दायर किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यदि सेवायत या ट्रस्ट लापरवाह है और अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर रहा है तो देवता अपने करीबी मित्र के जरिए आगे आ सकते हैं और वाद दायर कर सकते हैं, ऐसे में समय सीमा का सवाल ही नहीं उठता।

इससे पूर्व, मुस्लिम पक्ष की ओर से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए अधिवक्ता तस्लीमा अजीज अहमदी ने कहा था कि मौजूदा वाद समय सीमा से बाधित है। अहमदी ने दलील दी थी कि यह वाद शाही ईदगाह मस्जिद के ढांचे को हटाने के बाद कब्जा लेने और मंदिर बहाल करने के लिए दायर किया गया है। उनका कहना था कि वाद में की गई प्रार्थना दर्शाती है कि वहां मस्जिद का ढांचा मौजूद है और उसका कब्जा प्रबंधन समिति के पास है। मुस्लिम पक्ष की वकील ने दलील भी दी थी, इस प्रकार से वक्फ की संपत्ति पर एक सवाल/विवाद खड़ा किया गया है जबकि यहां वक्फ कानून के प्रावधान लागू होंगे। इस तरह से इस मामले में सुनवाई वक्फ अधिकरण के न्याय क्षेत्र में आता है न कि दीवानी अदालत के अधिकार क्षेत्र में।

कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी में आने का फैसला भावनात्मक रहा है : विजेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुक्केबाजी से राजनीति में आए विजेंद्र सिंह का कहना है कि उन्हें यह स्वीकार करने में कोई गुरेज नहीं है कि उन्होंने कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आने के फैसले के लिए भावनात्मक कीमत चुकाई है, हालांकि उन्होंने कहा कि ऐसा करने की अपनी वजह हैं। सिंह ने कहा, मैंने केवल मंच बदला है, खुद को नहीं बदला। मैं वैसा ही हूं। उन्होंने अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में राजनीतिक दल बदलने के सवाल पर कहा, निश्चित रूप से भावनात्मक फैसला रहा। सिंह ने कहा कि भाजपा में जाने के फैसले से उन्हें कुछ अच्छे दोस्त खोने पड़े, लेकिन उन्होंने अपने मूल चरित्र के साथ सच्चाई से बने रहकर फिर से ऐसी दोस्ती पाने की उम्मीद जताई।

मुक्केबाजी में ओलंपिक पदक (कांस्य, 2008) जीतने वाले भारत के पहले और एकमात्र पुरुष खिलाड़ी सिंह ने अपने राजनीतिक परिवर्तन के फैसले की व्याख्या बॉक्सिंग की शब्दावली से की।

सिंह (38) ने कहा, यह उस तरह है कि आप बॉक्सिंग में किसी उच्च श्रेणी में जाते हैं। आप ऐसा तब करते हैं जब आपका शरीर मौजूदा श्रेणी में सामंजस्य बैठाने में कठिनाई महसूस करता है। इसलिए, राजनीति में जब मुझे सामंजस्य में मुश्किल हुई तो मैं एक अलग मंच पर चला गया। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए अच्छा मंच मिलता है तो उसे उस ओर जाना चाहिए। सिंह ने कहा, मेरा मूल चरित्र वैसा ही है। गलत और सही के बारे में मेरे विचार वैसे ही हैं। मैं अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाना बंद नहीं करुंगा। उन्होंने कहा कि वह युवाओं और देश की बेहतरी के लिए भाजपा में शामिल हुए हैं। सिंह ने कहा कि उनके फैसले ने उनके कुछ दोस्तों को निराश किया है लेकिन उन दोस्तों को जब भी उनकी जरूरत पड़ी तो वे अपने साथ खड़ा पाएंगे। क्या कांग्रेस ने सिंह के इस फैसले को लेकर उन्हें मनाने का प्रयास किया था, इस सवाल पर उन्होंने कहा, हां, जाहिर तौर पर कांग्रेस ने संपर्क साधा, लेकिन मैं उस बारे में बाद में बात करुंगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के कारण वह भाजपा में आए हैं।

सुविचार

इस दुनिया में कोई खुशियों की चाह में रोता है, कोई गमों की पनाह में रोता है, अजीब ज़िन्दगी का सिलसिला है, कोई भरोसे के लिए रोता है, कोई भरोसा करके रोता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोरे उपदेश

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज का करतारपुर स्थित गुरुद्वारे में लोगों (जिनमें ज्यादातर भारतीय सिक्ख थे) को संबोधित करते हुए यह कहना कि 'हमें अपने पड़ोसियों से नहीं लड़ना चाहिए ... उनके लिए अपना दिल खोलने की जरूरत है', कोरे उपदेश से ज्यादा कुछ नहीं है। आज मरियम नवाज (पाकिस्तानी) पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। उनके खानदान का पाकिस्तान में शासन है। उन्हें भारत के साथ संबंधों को बेहतर बनाने से किसने रोका है? मरियम भी पाकिस्तानी नेताओं की तरह लंबे-चौड़े उपदेश दे रही हैं, लेकिन उनकी ओर से इनका बिल्कुल भी पालन नहीं किया जा रहा है। अगर मरियम इतनी सद्भावना रखती हैं तो भारतीय हवाई क्षेत्र में आने वाले अपने ड्रोन्स की उड़ान रोक दें, जिनमें कभी मादक पदार्थ तो कभी हथियार भेजने की कोशिशें की जाती हैं। क्या वे मुख्यमंत्री के तौर पर इतना भी नहीं कर सकतीं? भारत में किसी भी दल की सरकार रही हो, सबने पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंधों की कोशिश की थी। इन सबके बदले भारत को क्या मिला? वर्ष 1947 का हमला, 1965 का युद्ध, 1971 का महासंग्राम, कारगिल में धोखा ... और अनगिनत आतंकवादी हमले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के शपथ-ग्रहण कार्यक्रम में पाक के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को निमंत्रण भेजा था। वे आए भी, जिससे एक बार फिर यह उम्मीद जगी थी कि दोनों देशों के रिश्ते बेहतर होंगे। हालांकि नतीजा 'ढाक के तीन पात' जैसा ही निकला। मोदी ने दिसंबर 2015 में नवाज के घर जाकर उनसे मुलाकात की थी, जिसके कुछ ही दिन बाद पठानकोट में आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद उरी में आतंकवादी हमला हुआ था।

ये घटनाएं तब हुईं, जब शरीफ खानदान पाकिस्तान की सत्ता पर काबिज था। वह तब भी बड़ी-बड़ी बातें कर रहा था, आज भी कर रहा है। नवाज शरीफ को तत्कालीन पाक सेना प्रमुख मुशर्रफ ने बड़े-बड़े सब्ज-बाग दिखाए थे कि 'जनाब, हम आपको कश्मीर लेकर देंगे ... फिर तो आप पाकिस्तान में जिन्ना के बाद दूसरे बड़े नेता बन जाएंगे!' जब मुशर्रफ का दांव उल्टा पड़ गया और पाक फौज पर करारी चोट होने लगी तो नवाज की आंखें खुलीं। पाकिस्तान में राजनीति और रक्षा क्षेत्र से जुड़े कई विशेषज्ञ मानते हैं कि नवाज शरीफ को कारगिल युद्ध से पहले रची गई साजिश के बारे में मालूम था। मुशर्रफ ने वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उन्हें जानकारी उपलब्ध कराई थी। लिहाजा किसी को भी इस बात को लेकर भ्रमित नहीं होना चाहिए कि पाकिस्तान के ये 'शरीफ' सच में 'शरीफ' हो गए हैं! पाकिस्तानी पंजाब शरीफ खानदान का गढ़ माना जाता है, लेकिन दु:खद है कि ये वहां रहने वाले हिंदू, सिक्ख और ईसाई परिवारों की सुरक्षा में विफल रहे हैं। उन अल्पसंख्यकों को पाकिस्तान में साजिशन खत्म किया जा रहा है। उनकी संपत्तियों पर नाजायज कब्जे हो रहे हैं। उनकी बेटियों का अपहरण कर जबरन धर्मांतरण कराया जा रहा है। कट्टरपंथी तत्त्व उन्हें धमकियां देते हैं, लेकिन शरीफ खानदान खामोश रहता है। हां, वह भारत को समय-समय पर 'उपदेश' जरूर देता रहता है। मरियम भले ही कहें कि 'यह मेरा पंजाब है और हम होली, ईस्टर और बैसाखी जैसे सभी अल्पसंख्यक त्योहार एक साथ मना रहे हैं', लेकिन हकीकत इससे कहीं अलग है। पाकिस्तान में ऐसी कितनी ही घटनाएं हो चुकी हैं, जिनसे पता चलता है कि वहां अल्पसंख्यकों को शांति से त्योहार नहीं मनाने दिए जाते। पिछले साल लाहौर स्थित पंजाब विवि के लॉ कॉलेज में होली खेल रहे छात्रों को बुरी तरह पीटा गया था। बेशक मरियम साहिबा ने भारत-पाक संबंधों पर बातें बहुत अच्छी की हैं, लेकिन अब उनकी सरकार की जिम्मेदारी है कि धरातल पर वैसा करके भी दिखाए। कोरे उपदेशों से कुछ नहीं होता।

ट्वीटर टॉक

गिरिराज महाराज के आशीर्वाद से अभिसिंचित फतेहपुर सीकरी की जनता का एक-एक वोट 'राष्ट्रवाद' पर जाएगा। यहां के हर बूथ पर कमल का फूल खिलने जा रहा है। सबको सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, तुष्टीकरण किसी का नहीं होगा। यही 'मोदी की गारंटी' है।

-योगी आदित्यनाथ

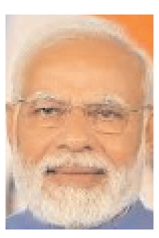

इस चुनाव में अलीगढ़ के मेरे परिवारजन कांग्रेस और इंडी गठबंधन की दुकान पर हमेशा के लिए ताला लगाने का मन बना चुके हैं। यहां जनसभा में आशीर्वाद देने आई जनता-जनार्दन का मैं सिर झुकाकर वंदन करता हूं।

-नरेन्द्र मोदी

मोदी की गारंटी मतलब... गारंटी पूरी होने की गारंटी है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज आने वाले 5 साल तक मिलता रहेगा। किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि आगे भी चलता रहेगा।

-जेपी नड्डा

प्रेरक प्रसंग

सुमिरन से कल्याण

गुरु नानकदेवजी अपने पास सत्संग के लिए आने वालों से अक्सर कहा करते, 'शुभ कर्म करो, प्रभु सुमिरन करो एवं जो मिले, उसे बांटकर खाओ।' एक दिन एक धनी व्यक्ति गुरुजी के दर्शन के लिए पहुंचा। उस समय गुरुजी सिख संगत को प्रेरणा देते हुए कह रहे थे कि 'जो व्यक्ति धनाढ्य होते हुए भी किसी अभावग्रस्त, दुखी इंसान की सहायता नहीं करता, उसे कालदूतों का उत्पीड़न सहना पड़ता है। जो सेवा और सहायता में धन लगाता है, सत्कर्म करता है, उसे इस लोक में तो ख्याति मिलती ही है, परमात्मा की भी कृपा प्राप्त होती है।' सत्संग के बाद वह गुरुजी के चरण पकड़कर बोला, 'मैं क्षत्रिय हूं। धनी हूं। कंजूस होने के कारण धन संचय में लगा रहता हूं। मेरे कल्याण का सहज समाधान बताने की कृपा करें।' गुरु नानकदेव जी ने कहा, 'यदि सच्ची शांति और कल्याण चाहते हो, तो अपना धन सेवा, परोपकार जैसे सत्कर्मों में लगाओ। कुएं खुदवाओ, लंगर लगाओ, अतिथियों की सेवा करो। ईश्वर का हर समय सुमिरन करते रहो। यह लक्ष्मी मोहिनी है, छल रूप है। यह उसी का कल्याण करती है, जो सदाचारी और परोपकारी होता है।'

सामयिक

हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे।

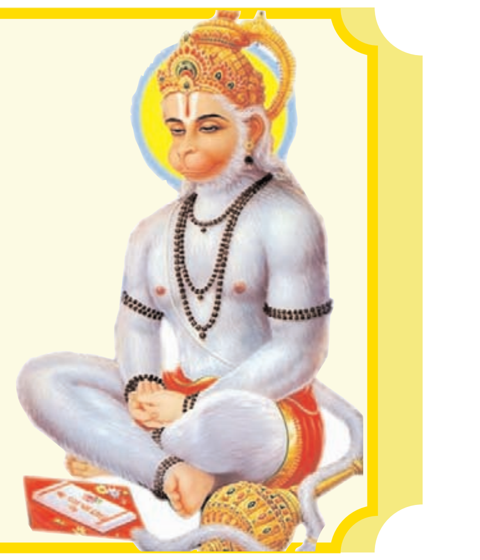

उन्नत जीवन का आधार है हनुमान भक्ति

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भगवान हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे। वे उन्नत जीवन के आधार है। उनसे सफल एवं सार्थक जीवन के प्रबंधन की शिक्षा मिलती है। वे हर युग में अपने भक्तों को अपने स्वरूप का दर्शन कराते हैं और उनके दु:खों को हरते हैं। वे मंगलकर्त्ता एवं विघ्नहर्त्ता हैं।

मंगलवार को हनुमानजी का जन्म हुआ, ऐसा माना जाता है। भिन्न-भिन्न लोगों ने इस महान आत्मा का मूल्यांकन भिन्न-भिन्न दृष्टिकोण से किया है। हनुमान का चरित्र एक लोकनायक का चरित्र है और उनके इसी चरित्र ने उन्हें सार्वभौमिक लोकप्रियता प्रदान की है। तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं में मात्र हनुमान ही ऐसे हैं जिनकी आधुनिक युग में सर्वाधिक पूजा की जाती है और जन-जन के वे आस्था के केन्द्र हैं। उनके चरित्र ने जाति, धर्म और सम्प्रदाय की संकीर्ण सीमाओं को लांघ कर जन-जन को अनुप्राणित किया है। हनुमान का चरित्र बहुआयामी हैं क्योंकि उन्होंने संसार और संन्यास दोनों को जीया। वे एक महान योगी एवं तपस्वी हैं और इससे भी आगे वे रामभक्त हैं। हनुमान-भक्ति भोगवादी मनोवृत्ति के विरुद्ध एक प्रेरणा है संयम की, पवित्रता की। यह भक्ति एक बदलाव की प्रक्रिया है। यह भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मा के अभ्युदय का उपक्रम है। इससे अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागता है। क्रोध नहीं, क्षमा शोभती है। कष्टों में मन का विचलन नहीं, सहने का धैर्य रहता है।

उत्कृष्ट विलक्षणताओं के प्रतीक हनुमान पूर्ण मानव थे। कहते हैं कि ब्रह्मा ने जब मनुष्य का निर्माण किया तो उन्हें बहुत प्रसन्नता हुई, क्योंकि उन्हें यह अनुभूत हुआ कि उनके द्वारा सृष्ट मानव ईश्वर का साक्षात्कार करने में समर्थ है। मानव न केवल संपूर्ण प्राणियों में सर्वश्रेष्ठ है, प्रत्युत वह अपनी साधना के द्वारा ब्रह्मपद को भी प्राप्त कर सकता है। त्रेतायुग के सर्वाधिक शक्तिशाली मानव हनुमान जिन्हें भ्रमवश अनेक देशी-विदेशी विद्वान पेड़ों पर उछल-कूद करनेवाला साधारण वानर मानते रहे हैं, अपने अलौकिक गुणों और आश्चर्यजनक कार्यों के बल पर कोटि-कोटि लोगों के आराध्य बन गये।

भारत ही नहीं, विश्व के इतिहास में किसी ऐसे मानव का उल्लेख नहीं मिलता, जिसमें शारीरिक बल और मानसिक शक्ति का एक साथ इतना अधिक विकास हुआ हो जितना हनुमान में हुआ था। प्राचीन भारत में ब्रह्मतेज से युक्त अनेक महामानव हुए। इसी प्रकार इस पावनभूमि में ऐसे विशिष्ट व्यक्ति भी हुए जो शारीरिक बल में बहुत बलशाली थे, परन्तु ब्रह्मतेज के साथ-साथ शास्त्र-बल का जो आश्चर्यजनक योग हनुमान में प्रकट हुआ, वह अन्यत्र दिखाई नहीं पड़ता। शुद्ध आचार, विचार और व्यवहार से जुड़ी हनुमान की ऐसी अनेक चारित्रिक व्याख्याएं हैं जिनमें जीवन और दर्शन का सही दृष्टिकोण सिमटा हुआ है।

हनुमान को बुद्धिमानों में अग्रगण्य माना जाता है। ऋग्वेद में उनके लिए विश्ववेदसम्' शब्द का प्रयोग किया गया है। इसका अभिप्रेत अर्थ है- विद्वानों में सर्वश्रेष्ठ। हनुमान अपने युग के विद्वानों में अग्रगण्य थे। उनकी गणना सामान्य विद्वानों में नहीं, बल्कि विशिष्ट विद्वानों में की जाती थी। वाल्मीकि रामायण में हनुमान को महाबलशाली घोषित करते हुए 'बुद्धिमतां वरिष्ठं' कहना पूर्ण युक्ति संगत है। 'रामचरितमानस' में भी उनके लिए 'अतुलित बलधामं' तथा ज्ञानिनामग्रगण्यम' इन दोनों विशेषणों का प्रयोग द्रष्टव्य है। ब्रह्मचारी हनुमानजी महान संगीतज्ञ और गायक भी थे। इनके मधुर गायन को सुनकर पशु-पक्षी एवं सृष्टि का कण-कण मुग्ध हो जाता था।

हनुमान की विद्वता के साथ-साथ तर्क-शक्ति अत्यंत उच्च कोटि की थी। ऐसे अनेक प्रसंग है जब हनुमान ने अपनी तर्क-शक्ति से अनेक जटिल स्थितियों को सहज बना दिया। उनकी अलौकिक साधना एवं नैसर्गिक दिव्यता का ही परिणाम था कि वे भय और आशंका से भरे वातावरण में भी निःशंक और निर्भीक बने रहते थे। संकट की घड़ी में भी शांतचित्त होकर अपने आसन्न कर्तव्य का निश्चय करना उत्तम प्रज्ञा का प्रमाण है। हनुमान इस सर्वोत्कृष्ट प्रज्ञा से युक्त थे।

प्राचीन भारत की सर्वश्रेष्ठ भाषा संस्कृत और व्याकरण पर हनुमान का असाधारण अधिकार था। हनुमान ने सूत्र, वृत्ति, वार्तिक, महाभाष्य तथा संग्रह का भली-भांति अध्ययन किया था। अन्यान्य ग्रंथों तथा छंद-शास्त्र के ज्ञान में भी उनकी समानता करनेवाला कोई नहीं था। संपूर्ण विद्याओं के ज्ञान में उनकी तुलना देवताओं के गुरु बृहस्पति से की गयी है। महर्षि अगस्त्य के अनुसार हनुमान नवों व्याकरणों के अधिकारी विद्वान थे। नोबेल पुरस्कार विजेता आक्टाभियो पाज का भी यह सुनिश्चित मत है कि हनुमान ने व्याकरण शास्त्र की रचना की थी। मारुति नंदन, परमवीर, श्रीराम भक्त हनुमानजी की पवित्र मन से की गयी साधना और भक्ति चमत्कारपूर्ण परिणाम देने वाली है। हनुमानजी शिव के अवतार माने जाते हैं और ग्यारहवें रुद्र के रूप में इनकी मान्यता है। कहते है-मर्यादा पुरुषोत्तम राम की सार्वकालिक सेवा करने एवं रावण-वध में उनका सहयोग करने के लिए भगवान राम का अवतार लेने से पूर्व ही त्रेतायुग में शिवजी ने अपने ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतार लिया था। वह 'हनुमानजी' के पवित्र लोकोपकारी नाम से विख्यात हुए। महादेव का हनुमान के रूप में अवतरण लेने के सन्दर्भ में कहा जाता है कि भगवान विष्णु महादेव के इष्ट देव हैं। वे उनके श्रीचरणों के शाश्वत पुजारी हैं। त्रेतायुग में रावणादि राक्षसों का सकुल संहार करके उनका उद्धार करने के लिए ही भगवान विष्णु अयोध्या के महाराज दशरथ के यहां अपनी सोलह कलाओं सहित पुत्र रूप में अवतरित हुए। अतः उनकी सेवा करने के लिए महादेव ने हनुमान के रूप में अवतार लिया।

तंत्र शास्त्र के आदि देवता और प्रवर्तक भगवान शिव हैं। इस प्रकार से हनुमानजी स्वयं भी तंत्र शास्त्र के महान पंडित हैं। समस्त देवताओं में वे शाश्वत देव हैं। परम विद्वान एवं अजर-अमर देवता हैं। वे अपने भक्तों का सदैव ध्यान रखते हैं। उनकी तंत्र-साधना, वीर-साधना है। वे रुद्रावतार और बल-वीरता एवं अखंड ब्रह्मचर्य के प्रतीक हैं। अतः उनकी उपासना के लिए साधक को सदाचारी होना अनिवार्य है। उसे मिताहारी, जितेन्द्रिय होना चाहिए। हनुमान साधना करने के लिए हर व्यक्ति उसका पालन नहीं कर सकता, इसलिए इस चेतावनी का सदैव ध्यान रखना चाहिए कि हनुमानजी को सिद्ध करने का प्रयास भौतिक सुखों की प्राप्ति या चमत्कार प्रदर्शन के लिए कभी नहीं करना चाहिए। उनकी भक्ति के माध्यम से भगवान राम के दर्शन तथा उनकी कृपा प्राप्त की जा सकती है। यह भक्ति हृदय की पवित्रता से ही संभव है और इसी से व्यक्ति घर और मन्दिर दोनों में एक-सा होता है। कहा जाता है की श्री हनुमानजी का जन्म ही राम भक्ति और उनके कार्यो को पूर्ण करने के लिए हुआ है। उनकी सांस-सांस में, उनके कण-कण में और खून के कतरे-कतरे में राम बसे हैं। एक प्रसंग में विभीषण के ताना मारने पर हनुमानजी ने सीना चिरकर भरी सभा में राम और जानकी के दर्शन अपने सीने में करा दिए थे।

हनुमान की भक्ति या उनको पाने के लिये इंसान को इंसान बनना जरूरी है। जब तक भक्ति की धारा बाहर की ओर प्रवाहित रहेगी तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। हनुमान भक्ति के लिये जरूरी है उनके जीवन से दिशाबोध ग्रहण करो और अपने में डूबकर उसे प्राप्त करो। 'जिन खोजा तिन पाइयां गहरे पानी पैठ'- यही है सच्ची हनुमान भक्ति की भूमिका। भक्ति का असली रूप पहचानना जरूरी है, तभी मंजिल पर पहुंचेंगे, अन्यथा संसार की मरुभूमि में ही भटकते रह जायेंगे।

विशेष

जन गण मन के अधिष्ठाता वीर हनुमान

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

राष्ट्रीय एकता के प्रतीक रामभक्त हनुमान जी को सभी धर्मों और वर्गों के लोग समान रूप से पूजते है। हनुमान जन्मोत्सव इस वर्ष 23 अप्रैल, मंगलवार को देशभर में श्रद्धा के साथ मनाया जायेगा। भारत मंदिरों का देश है। यहाँ हर गली और नुक्कड़ में आस्था के प्रतीक मंदिर देखने को मिल जायेंगे। गांव हो या शहर इनमें हनुमानजी या बालाजी के मंदिर बहुतायत से मिलेंगे। मान्यता है की बालाजी बच्चे से बुजुर्ग तक हर व्यक्ति के कष्टों को दूर करते है। बजरंग बली के भक्तों के लिए हनुमान जन्मोत्सव या हनुमान जयंती का दिन बेहद खास होता है। संकट मोचन, अंजनी सुत, पवन पुत्र हनुमान का जन्मोत्सव चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। पवनपुत्र के नाम से प्रसिद्ध हनुमान जी की माता अंजनी और पिता वानरराज केसरी थे।

हनुमान जी को बजरंगबली, केसरीनंदन और आंजनाय के नाम से भी पुकारा जाता है। जिन्होंने त्रेतायुग में प्रभु श्रीराम की भक्ति और सेवा के लिए जन्म लिया। संकटों का नाश करने वाले हनुमान जी को संकटमोचन भी कहते हैं। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार हनुमानजी को भगवान शिव का ग्यारहवां रूद्र अवतार माना जाता है। मान्यता है अयोध्या के राजा दशरथ ने जब पुत्रेष्टि हवन कराया था तब उन्होंने अपनी तीनों रानियों को प्रसाद स्वरूप खीर खिलाई थी। इसी दौरान खीर का थोड़ा सा अंश एक कौआ लेकर उड़ गया और वो कौआ वहां जा पहुंचा जहां माता अंजना शिव तपस्या में लीन थीं। तपस्या में लीन मां अंजना ने उस खीर को शिव जी के प्रसाद के रूप में ग्रहण कर लिया। इस खीर के प्रसाद को ग्रहण करने के

बाद हनुमान जी का जन्म हुआ।

हनुमान भगवान राम के परम भक्त थे। इस दिन भगवान राम सीता और लक्ष्मण के साथ हनुमान जी की पूजा विशेष फलदायी है। कहा जाता है कि इस दिन हनुमान जी मनवांछित फल देते हैं। केसरी नंदन मारुती का नाम हनुमान कैसे पड़ा? इससे जुड़ा एक किस्सा है। यह घटना हनुमानजी की बाल्यावस्था में घटी। एक दिन मारुती अपनी निद्रा से जागे और उन्हें तीव्र भूख लगी। उन्होंने पास के एक वृक्ष पर लाल पका फल देखा जिसे खाने के लिए वे निकल पड़े। दरअसल मारुती जिसे लाल पका फल समझ रहे थे वे सूर्यदेव थे। वह अमावस्या का दिन था और राहू सूर्य को ग्रहण लगाने वाले थे। लेकिन वे सूर्य को ग्रहण लगा पाते उससे पहले ही हनुमान जी ने सूर्य को निगल लिया। राहु कुछ समझ नहीं पाए कि हो क्या रहा है? उन्होनें इंद्र से सहायता मांगी। इंद्रदेव के बार-बार आग्रह करने पर जब हनुमान जी ने सूर्यदेव को मुक्त नहीं किया तो इंद्र ने बज्र से उनके मुख पर प्रहार किया जिससे सूर्यदेव मुक्त हुए। वहीं इस प्रहर से मारुती मूर्छित होकर आकाश से धरती की ओर गिरते हैं। पवनदेव इस घटना से क्रोधित होकर मारुती को अपने साथ ले एक गुफा में अंतर्ध्यान हो जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप पृथ्वी पर जीवों में त्राहि- त्राहि मच उठती है। इस विनाश को रोकने के लिए सारे देवगण पवनदेव से आग्रह करते हैं कि वे अपने क्रोध को त्याग पृथ्वी पर प्राणवायु का प्रवाह करें। सभी देव मारुती को वरदान स्वरूप कई दिव्य शक्तियाँ प्रदान करते हैं और उन्हें हनुमान नाम से पूजनीय होने का वरदान देते हैं। उस दिन से मारुती का नाम हनुमान पड़ा। इस घटना की व्याख्या तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में की गई है। मगर हनुमानजी को श्रीराम के परम भक्त के रूप में अधिक जाना जाता है उन्होंने राम रावण युद्ध में राम का साथ देकर रावण को हराया था। लंका जलाने का श्रेय हनुमानजी को जाता है।

इस बार हनुमान जन्मोत्सव पर विशेष संयोग है। हनुमान जी की पूजा करना आपके लिए कल्याणकारी होगा। इन योगों के कारण इस बार हनुमान जन्मोत्सव का महत्व और भी बढ़ गया है। भगवान हनुमान का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था, इसलिए इनका जन्मोत्सव सूर्योदय पूर्व से प्रारम्भ हो कर दिवस पर्यंत सूर्यास्त पश्चात तक चलता है।

इस दिन सबुह स्नान करके भगवान के सामने चौमुखी दिया जलाएं। कहा जाता है कि इससे हनुमान जी अति प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा सुंदरकांड का पाठ और हनुमान चालीसा का जाप विशेष फलदायी है। हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से मन को शांति मिलती है। हनुमान जयंती पर हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

झारखंड के चाईबासा में सोमवार को लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा के पक्ष में चुनाव प्रचार रैली के दौरान झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और अन्य नेता।

इजराइल सैन्य गुप्तचर प्रमुख ने सात अक्टूबर के हमले को लेकर इस्तीफा दिया

तेल अवीव। इजराइल के सैन्य खुफिया प्रमुख मेजर जनरल अहरोन हलीवा ने यहूदी देश पर हमास के 7 अक्टूबर के अप्रत्याशित हमले के दौरान अपनी इकाई की विफलताओं की जिम्मेदारी लेते हुए सोमवार को इस्तीफा दे दिया। हलीवा इजराइली सेना के जनरल स्टाफ के पहले जनरल हैं, जिन्होंने फलस्तीनी विद्रोही संगठन हमास के इजराइल पर बड़े पैमाने पर हमले और उसके बाद गाजा में युद्ध को लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हिब्रू ने लिखे अपने त्यागपत्र में हलीवा ने कहा, खुफिया विभाग उस काम पर खरा नहीं उतरा जो हमें सौंपा गया था। अपने पूरे कर्तव्य निर्वहन के दौरान, मुझे पता था कि प्राधिकार के साथ-साथ भारी जिम्मेदारी भी आती है।

जनरल ने कहा कि सात अक्टूबर को जो कुछ हुआ उसकी वह जिम्मेदारी लेना चाहते हैं और उन्होंने युद्ध के लक्ष्य जितना संभव हो सके उतना पूरा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने का वादा किया। हलीवा ने एक जांच समिति गठित करने का आह्वान भी किया।

राजनाथ सिंह ने सियाचिन का दौरा किया, सैन्य तैयारियों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन का सोमवार को दौरा किया और क्षेत्र में भारत की समग्र सैन्य तैयारियों की समीक्षा की। सिंह ने सियाचिन का दौरा ऐसे समय में किया जब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में भारतीय सेना की मौजूदगी को एक सप्ताह पहले 40 वर्ष हो गए। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री ने सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे के साथ क्षेत्र में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, सियाचिन में एक अग्रिम चौकी का दौरा किया। बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हमारे देश की रक्षा करने वाले बहादुर सेना कर्मियों के साथ अद्भुत बातचीत हुई। उन्होंने कहा, मैं कर्तव्य के प्रति उनके साहस और पेशेवर अंदाज की सराहना करता हूं।

सिंह ने सियाचिन में तैनात सैनिकों से बातचीत भी की। काराकोरम पर्वतीय शृंखला में लगभग 20,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन ग्लेशियर दुनिया के सबसे ऊंचे सैन्यीकृत क्षेत्र के रूप में जाना जाता है जहां सैनिकों को शीतदंश और तेज हवाओं से जूझना पड़ता है। सैनिकों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने विषम परिस्थितियों में वीरता और दृढ़ संकल्प के साथ मातृभूमि की रक्षा के पुण्य पथ पर चलने के लिए उनकी (सैनिकों) प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राष्ट्र सशस्त्र बल कर्मियों का सदैव ऋणी रहेगा, क्योंकि उनके बलिदान के वजह से हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। उन्होंने कहा, हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं, क्योंकि हम आश्वस्त हैं कि हमारे बहादुर सैनिक सीमाओं पर दृढ़ता से खड़े हैं। आने वाले समय में जब राष्ट्रीय सुरक्षा का इतिहास लिखा जाएगा, तो बर्फीले ठंडे ग्लेशियर में हमारे सैनिकों की वीरता और दृढ़ इच्छाशक्ति के कामों को गर्व के साथ याद किया जाएगा। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। रक्षा मंत्री ने सियाचिन को कोई सामान्य भूमि नहीं बल्कि भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा कि सियाचिन कोई आम जगह नहीं है, बल्कि यह भारत की संप्रभुता और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जैसे दिल्ली भारत की राष्ट्रीय राजधानी है, मुंबई वित्तीय राजधानी है, बेंगलुरु प्रौद्योगिकी राजधानी है, उसी तरह, सियाचिन साहस, दृढ़ निश्चय और संकल्प की राजधानी है।

अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी : मोहसिन नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उसके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने के तैयार है। लाहौर में एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए नकवी से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया साक्षात्कार के बारे में पूछा गया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की और कहा कि दोनों पड़ोसी देशों का विदेश में टेस्ट श्रृंखला खेलना 'शानदार' होगा। देखिए, अगर इस संबंध में कोई विकल्प आता है तो हम उस पर विचार करेंगे लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना है और पहले भारत को टूर्नामेंट के लिए आने देना है। फिलहाल चैंपियन्स ट्रॉफी तक कोई समय उपलब्ध नहीं है क्योंकि हमारी टीम का यात्रा कार्यक्रम तय हो चुका है। एक बार वे पहले यहां आ जाएं तो जब भी कोई प्रस्ताव हमारे सामने आएगा, हम उस पर विचार कर सकते हैं। दोनों टीमों ने पिछली बार 2012-13 में सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी जब पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था लेकिन भारत ने 2007 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया है।

पृथ्वी दिवस

पटना में पृथ्वी दिवस के अवसर पर सोमवार को पाटन महिला कॉलेज की छात्राएं बैनर लिये।

ईरानी हमले में इजराइल को बहुत कम नुकसान पहुंचने की बात खामनेई ने अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकारी

यरूशलम। ईरान के सर्वोच्च नेता का इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल हमले से हुए नुकसान से जुड़े सवालों का जवाब देने से रविवार को इनकार कर देना इस बात को स्वीकारने का संकेत है कि तेहरान के बड़े हमले के बावजूद कुछ ही मिसाइल अपने लक्ष्य तक पहुंच पाईं। ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस्फहान शहर पर शुक्रवार को इजराइल की जवाबी कार्रवाई को लेकर भी कोई टिप्पणी नहीं की जबकि इजराइल की कार्रवाई के मद्देनजर ईरानी सैनिकों ने वायु रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल किया था और देश भर में वाणिज्यिक उड़ानों को रोक दिया गया था। खामनेई (85) ने ईरान की सेना, पुलिस और अर्द्धसैनिक रेव्यूलेशनरी गार्ड के शीर्ष स्तर के अधिकारियों की बैठक में कहा, दूसरे दल इस बात को लेकर बहस कर रहे हैं कि कितनी मिसाइल दागी गयीं, कितनी मिसाइल निशाने पर लगीं और कितनी अपने लक्ष्य से चूक गयीं। यह हमारे लिए दूसरी प्राथमिकता है। खामनेई का बयान ईरान सरकार के स्वामित्व वाले टेलिविजन चैनल पर प्रसारित किय गया।

मुख्य मुद्दा ईरानी राष्ट्र का उदय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर ईरानी सेना की इच्छाशक्ति है। बस यही मायने रखता है। ईरान ने इजराइल के हवाई रक्षा तंत्र को भेदने के मकसद से 13 अप्रैल को सैकड़ों की संख्या में ड्रोन, बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागी थीं। इजराइल पर ईरान के इस हमले को 1991 के बाद दूसरा सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

वार्ता

हैदराबाद में पूर्व केंद्रीय मंत्री, सांसद (राज्यसभा) रेणुका चौधरी सोमवार को गांधी भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती हुई।

'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आएंगे अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपनी आने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अश्वत्थामा के किरदार में नजर आयेंगे। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित सायंस फिक्शन महाकाव्य फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'कल्कि 2898 एडी' के निर्माताओं ने इस फिल्म में अमिताभ के किरदार से पर्दा उठा दिया गया है।फिल्म का एक छोटा सा टीजर वीडियो शेयर किया गया, जिसमें देखने को मिला कि सफेद कपड़े से ढका हुआ एक शख्स गुफा में बैठकर शिव लिंग की पूजा कर रहा है।फिर एक बच्चे की आवाज सुनाई देती है, जो उससे पूछ रहा है कि क्या तुम मर नहीं सकते, तुम भगवान हो। कौन हो तुम। इसके बाद अमिताभ बच्चन कहते हैं मैं द्वापर युग से दशावतार की प्रतीक्षा कर रहा हूं। द्रोणाचार्य का पुत्र हूं अश्वत्थामा। नागअश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 एडी' बहुभाषी फिल्म है।

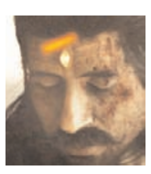

भारत की पहली फीमेल सुपरस्टार थी कानन देवी

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा जगत में कानन देवी को पहली फीमेल सुपरस्टार के तौर पर याद किया जाता है, उन्होंने न सिर्फ फिल्म निर्माण की विद्या से बल्कि अभिनय और पार्श्वगायन से भी दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनायी। काननदेवी मूल नाम काननबाला का जन्म पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 1916 को एक मध्यम वर्गीय बंगाली परिवार में हुआ था। बचपन के दिनों में ही उनके पिता की मृत्यु हो गयी। इसके बाद परिवार की आर्थिक जिम्मवारी को देखते हुये कानन देवी अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटाने लगी। कानन देवी जब महज 10 वर्ष की थी तब अपने एक पारिवारिक मित्र की मदद से उन्हें ज्योति स्टूडियो द्वारा निर्मित फिल्म जयदेव में पांच रुपए की तनख्वाह पर काम करने का अवसर मिला। इसके बाद कानन देवी को ज्योतिस बनर्जी के निर्देशन में राधा फिल्मस के बैनर तले बनी कई फिल्म में बतौर बाल कलाकार काम करने का अवसर मिला।

वर्ष 1934 में प्रदर्शित फिल्म .मां. बतौर अभिनेत्री कानन देवी के सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी। कुछ समय के बाद कानन देवी न्यू थियेटर में शामिल हो गयी। इस बीच उनकी मुलाकात राय चंद बोराल (आर.सी.बोराल) से हुयी जिन्होंने कानन देवी को हिंदी फिल्मों में आने का प्रस्ताव दिया।तीस और चालीस के दशक में फिल्म अभिनेता या अभिनेत्रियों को फिल्मों में अभिनय के साथ ही पार्श्वगायक की भूमिका भी निभानी होती थी जिसको देखते हुये कानन देवी ने भी संगीत की शिक्षा लेनी शुरू कर दी। उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा उस्ताद अल्ला रक्खा और भीष्मदेव चटर्जी से हासिल की। इसके बाद उन्होंने अनादी दस्तीदार से रवीन्द्र संगीत भी सीखा।

जैसे-जैसे बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने की सोच से मुक्त हो रही हूं : लारा दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस और मिस यूनिवर्स रह चुकीं लारा दत्ता अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' के लिए तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उम्र के साथ-साथ वह ग्लैमरस की सोच से भी मुक्त हो रही हैं। ग्लैमरस दिखने के बजाय, उनका लक्ष्य उन किरदारों पर फोकस करना है जो ऑडियंस के दिलों में जगह बनाते हैं। एक्ट्रेस ने साइकोलॉजिकल क्राइम थीम पर काम करने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह बिना किसी हिचकिचाहट के नेगेटिव कैरेक्टर को आसानी से निभा सकती हैं।

लारा ने कहा, जैसे-जैसे मैं बड़ी हो रही हूं, मैं ग्लैमरस होने या सिर्फ एक बड़े खिताब को पाने के रूप में देखे जाने के सोच से मुक्त हो रही हूं। इसके बजाय, मैं उस तरह के काम पर ध्यान दे रही हूं, जो मैं कुछ समय से करना चाहती हूं। आजकल महिलाएं फिल्में बनाने से लेकर स्क्रिप्ट लिखने तक हर तरह के कामों में आगे बढ़ रही हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, मैं उस इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर भाग्यशाली महसूस करती हूं जो बेहतरी के लिए बदल रहा है।

मेरी दिलचस्पी साइकोलॉजिकल क्राइम थीम में है, भले ही इसका मतलब नेगेटिव किरदार निभाना क्यों न हो। यह मेरे लिए डायरेक्शन का अनोखा अंदाज है और मैं स्क्रीन पर डार्क रोल निभाना पसंद करूंगी। 'रणनीति: बालाकोट एंड बियॉन्ड' 25 अप्रैल से जियो सिनेमा पर उपलब्ध होगी।

'गुलाबी' के लिए कड़ी मेहनत कर रही है हुमा कुरैशी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी आने वाली फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। हुमा कुरैशी इन दिनों विपुल मेहता के निर्देशन में बन रही फिल्म गुलाबी की शूटिंग गुजरात में कर रही है। इस फिल्म का निर्माण जिसे जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे और इकोलोन प्रोडक्शंस के विशाल राणा कर रहे हैं।यह फिल्म अहमदाबाद की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें हुमा आटो रिक्शा ड्राइवर की भूमिका निभा रही हैं। वह आटो रिक्शा चलाने के साथ-साथ पढ़ना चाहती है और दूसरे लोगों को भी पढ़ने के लिए प्रेरित करती है। हुमा कुरैशी फिल्म गुलाबी के लिये कड़ी मेहनत कर रही है। विशाल राणा ने बताया, हम तपती गर्मी की चुनौतियों बीच वहां के क्षेत्रीय लोगों के साथ शूट कर रहे हैं। हुमा बहुत सशक्त अभिनेत्री हैं। वह बिना किसी शिकायत के दिन के बारह-बारह घंटे शूटिंग कर रही हैं।उन्होंने काफी लंबा और सशक्त सीन सिर्फ एक टेक में शूट किया। कैमरे के सामने वह जितने शानदार तरीके से विविध भावनाएं प्रस्तुत करती हैं, उससे हम सब बहुत प्रभावित हैं।

अभिनेता रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी

नयी दिल्ली। अभिनेता रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले सोशल मीडिया हैंडल के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उनके प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह, सिंह का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था जिसमें उन्हें अपना राजनीतिक विचार प्रकट करते देखा जा सकता था। ऐसा लगता है कि कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर मूल 'क्लिप' में छेड़छाड़ की गई है। प्रवक्ता के अनुसार, सिंह ने पुलिस में एक शिकायत दायर की थी और आगे की जांच के लिए साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने प्राथमिकी दर्ज की है।''हमने पुलिस में शिकायत दायर की और कृत्रिम मेधा प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर तैयार किये गए रणवीर सिंह के 'डीपफेक' वीडियो का प्रसार करने वाले हैंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वीडियो के वायरल होने के शीघ्र बाद, अभिनेता ने 'एक्स' पर चेतावनी देते हुए पोस्ट किया था।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर के फैंस ने अभिनेता का प्री-बर्थडे सेलिब्रेट किया

हैदराबाद/एजेन्सी

मैन ऑफ मासेस के नाम से मशहूर एनटीआर जूनियर के पास स्थानीय और विश्व स्तर पर समर्पित फैंस हैं। अपनी आगामी ब्लॉकबस्टर, 'देवरा: भाग 1' के लिए तैयार अभिनेता का जन्मदिन 20 मई को आने वाला है।

इस खास अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए, एनटीआर जूनियर के फैंस ने अभिनेता के जन्मदिन से पहले एक महीने से भी कम समय में उल्टी गिनती शुरू करने के लिए हैदराबाद में एक भव्य प्री-बर्थडे समारोह का आयोजन किया।

इस अवसर पर, हैदराबाद में सुदर्शन थिएटर 35एमएम के बाहर एनटीआर जूनियर का एक विशाल पोस्टर लगाया गया। एक विशाल माला से सजाए गए, फैंस ने 'जय एनटीआर' टी-शर्ट पहने, उनके पोस्टर पकड़े और खुशी से नाचते हुए 'जय एनटीआर' का नारा लगाया। माहौल वास्तव में एक खूबसूरत उत्सव जैसा लग रहा था, जो दर्शाता है कि फैंस अभिनेता को कितना प्यार करते हैं और उनके जन्मदिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो, मैन ऑफ़ मासेस एनटीआर जूनियर 'देवरा: पार्ट 1' में नज़र आएंगे।

कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित, इस महान कला का निर्माण युवसुधा आर्टर्स और एनटीआर आर्टर्स द्वारा किया गया है, और नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा तैयार किया गया है, और सिनेमैटोग्राफी आर रत्नवेलु द्वारा संभाली गई है। 'देवरा: भाग 1' 10 अक्टूबर 2024 को स्क्रीन पर आएगी।

संबोधन

शिमला में भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष सीमा ठाकुर सोमवार को पार्टी कार्यालय कमल दीप भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करती हुई।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता नें हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती।

वृक्षारोपण एवं पौधे वितरण करके विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सोमवार को विश्व पृथ्वी दिवस एक्सनोरा इंटरनेशनल द्वारा चल रहे हरित प्रदेश अभियान में जेटी सुराना जैन विद्यालय पार्क टाउन में वृक्षारोपण एवं पौधे वितरण करके मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ मुथुकुमार प्रोग्राम ऑफिसर डिपाट्रमेंट ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज गवर्नमेंट ऑफ तमिलनाडु ने विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। स्कूल की प्रिंसिपल शशिकला ने पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी।

इस मौके पर नॉर्थ चेन्नई सचिव फतेहराज जैन ने कहा मातृभूमि और माता स्वर्ग से भी बढ़कर है। भारतीय परंपरा में भी पृथ्वी को मां का दर्जा हासिल है, पृथ्वी के प्राकृतिक वातावरण की सुरक्षा करना हमारा दायित्व है, 22 अप्रैल को विश्वभर मैं पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। पृथ्वी को बचाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना होगा क्योंकि इसकी अपेक्षा मानव के साथ सभी प्राणियों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। जलवायु परिवर्तन का एक उदाहरण 2013 मैं फरवरी महीने में कई इलाकों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई थी, जिसकी वजह से पर्यावरण को क्षति पहुंची थी। खतरों की सार्वजनिक मार् गरीब लोगों पर पढ़ती है, इसलिए यह और भी चिंताजनक है, पर्यावरण का असर मौसम पर भी पड़ता है, ऋतुएं बदलती है। धरती का औसत तापमान बढ़ने से पानी की किल्लत बढ़ती है, इसलिए हम सभी का कर्तव्य है कि पृथ्वी के पर्यावरण को बिगाड़ने वाली गतिविधियों को हतोत्साहित करें हर व्यक्ति अपने स्तर पर पृथ्वी को बचाने की इस मुहिम में शामिल हो सकता है। आओ हम सब मिलकर इस और ध्यान दें और ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। इस मौके पर एक्सनोरा के गोविंदराज, सारथी, तमिल मनी, स्कूल की अध्यापिका एवं कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

महावीर जयंती समारोह में रोज मिल्क एवं शरबत का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) ने महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर अयनावरम स्थित जैन दादावाड़ी में लगभग दस हजार ग्लास रोजमिल्क व शरबत वितरित की। इस मौके पर दादावाड़ी के प्रांगण में आरवाइए का काउंटर लगाया गया। आरवाइए द्वारा संचालित बुक बैंक परियोजना के कार्यों का प्रचार प्रसार किया गया्। आरवाइए के अध्यक्ष जैन एस. सुधीर ने बताया कि आरवाइए फाउंडेशन द्वारा निकट भविष्य में विभिन्न स्कूलों में जरुरत के मुताबिक सहायता देने का निर्णय लिया है जिसमें विल्लिवाक्कम स्थित एक स्कूल में सोलार पॉवर प्लांट भी लगाकर दिया जाएगा। जैन महासंघ द्वारा आरवाइए के अध्यक्ष का सम्मान किया गया। इस मौके पर सचिव भरत एस. चौरड़िया, बुक बैंक परियोजना के चेयरमैन दिलीप बेताला, आरवाइए फाउंडेशन के चेयरमैन दिनेश बोहरा, कोषाध्यक्ष महेंद्र परमार, नरेश खिंवसरा, निर्मल बोकड़िया, नीरज मेहता, विवेक बम्ब, रंजीत जैन, विकास मरड़िया, महावीर लूनावत, माणक गोठी, प्रेम बेताला, सुरेश बैद, राजेश जैन, श्रेयांस जैन सहित कई सदस्यों एवं महिला सदस्यों ने सराहनीय सहयोग दिया।

महावीर जन्म कल्याणक पर सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। अपने पचास वें वर्ष में प्रवेश कर चुके नगर की सबसे पुरानी युवा प्रतिनिधि संस्था एससीएस जैन संघ की युवा शाखा श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन युवक संघ के तत्वावधान में श्रमण भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर संघ भवन में अन्नदान, आश्रमों में अन्नदान सहित अनेकों निराश्रितों को वस्त्रों का वितरण किया गया।

संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा ने जैन ध्वज लहराकर सेवा कार्यों की शुरुआत की। इस अवसर पर संघ के सचिव सुनील हिंगड़, कोषाध्यक्ष धनराज चोरड़िया, सह सचिव अजय टाटिया, कार्यकारिणी सदस्य जीसी जैन, रोबिन बाबेल सहित संघ के गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

आरवाईए कास्मो द्वारा महावीर जन्मकल्याण पर कई सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थान यूथ एसोसिएशन (आरवाइए) कॉस्मो फाउण्डेशन के तत्वावधान में मेडिबैंक परियोजना के तहत महावीर जन्मकल्याणक के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। शनिवार को शांतिदेवी जवाहरमल चंदन डे केयर एंड डायग्नोसिस सेंटर में निःशुल्क मधुमेह व रक्तचाप जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें 118 रोगियों की जांच कर उनका इलाज किया गया। इस शिविर के लाभार्थी मदनमोहन राठी टीम बिजनेस वेंचर्स थे। रविवार को अंबत्तूर यूथ सेवा मंडल एवं मेडवे हॉस्पिटल आरवाइए कॉस्मो उगता फाउंडेशन ब्लड बैंक के सहयोग से रक्त संग्रह शिविर आयोजित किया गया जिसमें 56 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ्। उसी दिन अयनावरम स्थित जैन दादावाड़ी में निःशुल्क मधुमेह व रक्तचाप जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 163 लोगों की जांच की गई्।

आरवाइए कॉस्मो के अध्यक्ष राजेश कटारिया ने बताया कि 28 अप्रैल को शांतिदेवी जवाहरमल चंदन डे केयर एंड डायग्नोसिस सेंटर में श्री जैन प्रज्ञा संघ के सहयोग से एपिलेप्सी कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान आरवाइए कॉस्मो के अध्यक्ष राजेश कटारिया, सचिव जितेंद्र कोठारी, निर्मल रांका सहित कई सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

महावीर जयंती पर मईलापुर एसएस जैन युवक संघ ने किए अनेक सामाजिक कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भगवान महावीर के 2623 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर एसएस जैन युवक संघ मईलापुर ने अनेक कार्यक्रम श्री वर्धमान श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन स्थानक मईलापुर में हुआ। गर्मी के लिए लोगों को राहत देने के लिए पानी की प्याऊ का उद्घाटन विमलचन्द धर्मचन्द शांतिलाल चोरड़िया परिवार ने किया। वहीं पारसमल शिक्करमल डॉ. विनोदकुमार सुराणा के परिवार के सहयोग से 500 लोगों को अन्नदान किया गया। वहीं आदिनाथ जैन भवन के ऊपर जीव दया के रूप में कबूतरों को दाना डाला गया। जवंतमल चोरड़िया डायलिसिस सेन्टर मैलापुर में एक दिन का लाभ संघ ने लिया। 500 लोगों को छाछ वितरण किया गया। गुरु गणेश गौशाला सुल्लरुपेट्टा में गायों को चारा वितरण किया गया। कांतिमुनिजी के गुरु दर्शन का लाभ व मंगलपाठ का श्रवण किया गया। सभी कार्यक्रमों में मईलापुर के सदस्यों का सहयोग रहा।

इस मौके पर संघ के मंत्री विमलचन्द खाबिया, कोषाध्यक्ष इंदरचन्द कंकालिया, युवक संघ के अध्यक्ष संजय सेठिया, मंत्री रितेष कंकलिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'एक शाम भगवान महावीर के नाम' भक्ति संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष में 'एक शाम भगवान महावीर के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन रविवार को चेतपेट स्थित चिन्मया हेरिटेज ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ्। सर्वप्रथम माइल्स की सदस्याओं द्वारा प्रार्थना से शुभारंभ हुआ्।

मुख्य अतिथि समाजसेवी विजयराज कटारिया व विशेष अतिथिगण राजस्थानश्री रिखबचंद बोहरा, अजीत चोरड़िया, शांतिलाल जैन, शालीन शाह ने द्वीप प्रज्जवलित किया। चेयरमैन ज्ञानचंद कोठारी ने पधारें सभी का स्वागत किया। सचिव दीलीप मेहता ने संस्था के गतिविधियों की जानकारी आडियो वीडियो माध्यम से बड़े पर्दे पर दी। कार्यक्रम में नेत्र चिकित्सा शिविरों में सहयोग करने वाले सभी का अभिनंदन शॉल ओढाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर आई केम्प डायरेक्टर पुनमचंद माण्डोत, सह डायरेक्टर महावीर खाबीया व कन्वेनर राजेन्द्र खारीवाल ने किया।

राकेश माण्डोत एवं टीम द्वारा भक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। 'भक्ति की है रात दादा आज थाने आणो हैं, भगवान महावीर ने सर्वस्व दिया है, लागी रे लागी रे प्रभु लगन लागी, किसी का दिल दुखाना हमको महावीर ने ना सीख लाया, ऊँचा अंबर ती आओ ने प्रभुजी, व्हाला आदिनाथ मैं तो पकड़यो तारो हाथ, बाजे कुंडलपुर में बधाई, पंखिड़ा ओ पंखिड़ा, तू कितनी अच्छी है तू कितनी भोली है, ओ माँ' आदि गीतों से हाल गुंज उठा। सभी दर्शकों ने खूब पसंद किया और सराहना की।

सभी ने 'भगवान महावीर की जय' जयकारे लगाए। कार्यक्रम के सहयोगी जीतेन्द्र, राकेश, डॉ कैलाश माण्डोत का सम्मान वाइस चेयरमैन दीनेश भलगट व वीजयराज गांधी ने किया। राजेश खटेर व मुकेश चुत्तर ने कार्यक्रम का संचालन किया। सह सचिव गौतमचंद चोरड़िया ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मनुष्य के व्यक्तित्व की पहचान उसकी वाणी से होती है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

कलबुर्गी। शहर के भारत प्राइड पार्क में सुमतिनाथ के नूतन जिनालय कि अंजनशलाका प्रतिष्ठा संपन्न करके आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी का बीजापुर की ओर विहार किया। गब्बूर ग्राम में विश्राम के दौरान आचार्यश्री ने कहा कि मनुष्य के व्यक्तित्व का प्रभाव उसकी वाणी में झलकता है। जिस तरह संगीत वाद्ययंत्र की पहचान उसके स्वर से होती,उसी तरह व्यक्ति की पहचान उसकी वाणी से होती है। कर्मसत्ता नें हमें दो कान और एक मुंह दिया है ताकि सुने ज्यादा और बोले कम। ये कभी न भूले कि बोलना मुंह का पार्ट टाइम काम है, मुंह का मुख्य काम खाना खाना और पानी पीना है। लेकिन लोगों ने मुंह का मुख्य काम बोलने का बना दिया

है। भाषा की सबसे बड़ी परेशानी ये है कि हम जो बात दूसरों तक पहुंचाना चाहते हैं वो सामने वाले व्यक्ति तक उसी स्वरूप में उसी अवस्था में नहीं पहुंच पाती। जब शब्दों को चयन करें तो सही रुप से करे। ताकि सामने वाला हमारी बात का तात्पर्य समझ सकें।

रायपुरम में भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री रायपुरम जैन संघ द्वारा प्रभु महावीर का 2623 वां जन्म कल्याणक महोत्सव धर्मनगरी रायपुरम में रविवार को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। आयोजन श्री सुमतिनाथ जैन युवा मंडल, ज्ञान युवक मंडल, श्री तेरापंथ जैन संघ द्वारा किया गया। अहिंसा रैली सुबह आरसीसी ट्रस्ट कालोनी में श्री पार्श्वनाथ जिनालय में प्रभु दर्शन करने के पश्चात चड कोईल स्ट्रीट में सुमतिनाथ जिनालय में प्रभु दर्शन के बाद जैन भवन, रायपुरम मे धर्म सभा में परिवर्तित हो गई। बैंड बाजे व प्रभु महावीर की झाँकियों के साथ करीब 500 जनों ने जयकारों के साथ वरघोड़ा की शोभा बढ़ाई। इस मौके पर मंडल के सदस्यों द्वारा 40 मीटर का जैन ध्वज लहराया गया।

लाभार्थी शा संघवी मांगीलाल चाँदमल कोठारी का अभिनंदन किया गया। सेवा भावी डॉ हरीलाल मुख्य अतिथि का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर धार्मिक प्रतियोगिता रखी गई जिसके विजेताओं को ईनाम दिया। जैन भवन में पुराने कपड़ों का काउंटर तीन दिन के लिए लगाया गया व एकत्रित कपड़े जरुरतमंदो को दिये जायेंगे। कार्यक्रम के पश्चात सभी को अल्पहार व प्रभावना दी गई। मुकेश चुत्तर ने संचालन किया। इस अवसर पर जैन भवन के बाहर करीब 1000 जरूरतमंदों को अन्नदान व छाछ का वितरण किया गया।

ऐसा गुरुवर जानिए, जंगम तीर्थ राज।
ध्यान ज्ञान हरि नाम से, सफल करे सब काज।।

गुरुजी के अवतरण दिवस पर वंदन-नमन

चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, मंगलवार 23 अप्रैल 2024

राम राम राम राम

राम राम राम राम

इस युग के महान संत स्वामी श्री सत्यानंदजी महाराज के जन्म दिवस पर उनके चरणों में कोटि कोटि नमन
अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार
चेन्नई और फलोदी

श्री स्वामी सत्यानंद जी की जीवनी : प्रत्येक साधक के मन रूपी सुनहले तथा सुशोभित आसन पर विराजमान है। राम नाम की गंगा प्रवाहित करने वाले इस युग के महान संत स्वामी सत्यानंदजी महाराज का जन्म वर्ष 1861 की चैत्र शुक्ला पूर्णमाशी को एक ब्राह्मण परिवार में रावलपिंड के एक गांव 'जग्गू का मोर' में हुआ। आपको नाना के यहां लक्ष्मण और दादा के यहां गोविंद नाम से पुकारा जाता था। युवावस्था में पांव धरते ही उनको साधु संतों की संगति का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सर्वप्रथम जैन मत में रुचि रही। आपकी उम्र जब 17 वर्ष की हुई तो आप जैन यति बन गए और 13 वर्ष तक सेवा की। वर्ष 1891 में जैन मत को छोड़कर वर्ष 1889 में आर्य समाज में प्रवेश किया। आर्य समाज में 25 वर्ष तक वैदिक प्रचार करते रहे और दो ग्रंथ 'ओंकार उपासना' तथा 'दयानंद प्रकाश' लिखे जो की आज माननीय है।

आर्य समाज में रहते हुए उन्होंने गीता और रामायण पर व्याख्यान का क्रम शुरू किया। 'भक्ति प्रकाश' नामक ग्रन्थ की रचना की, जिसमें राम नाम का मधुर गुणगान भरा पड़ा है। इस पर आपत्ति हुई तो वह राम नाम त्यागने की बजाय आर्य समाज से अलग हो गए। स्वामी जी वर्ष 1925 में डलहौजी में एकांत स्थान मे साधना में बैठ गए। भगवान से विनय की कि क्या आपके दरबार से मुझे सीधे प्रसाद प्राप्त नहीं हो सकता। स्वामीजी डलहौजी में एकांतवास में थे। देवदार से व्यास पूजा गुरु पूर्णिमा के दिन आकाशवाणी हुई 'राम भज, राम भज' वह कई दिन तक मंत्रमुग्ध रहे।

'अमृतवाणी' की रचना की और श्री वाल्मीकीय रामायण सार की रचना की और संस्कृत से हिन्दी में हर श्लोक का अनुवाद किया, आदि कवि श्री वाल्मीकिजी पर, आदि कवि वागीश ऋषि विद्या ज्ञान भंडार, वाल्मीकि ऋषिवर हुआ कविता का अवतार, रची सुरचना रुचिकारी मुनि ने कर उपकार, हो मम उसके चरण पर नमस्कार बहुबार।' महाराज कहा करते थे कि मां की भांति हो तो राम है। जब मां किसी गलती पर अपने बच्चे को मारती है तब भी बालक मां-मां पुकारता मां से लिपट जाता है। हे राम मुझे तो अपना ऐसा ही प्यार दे। चाहे कितने भी कष्ट क्लेश आएं, मगर मैं तुम्हारा नाम सिमरन न भूलूं। स्वामी जी द्वारा रचित अमृतवाणी अन्य ग्रन्थ हैं 'भक्ति प्रकाश', 'प्रार्थना और उसका प्रभाव', 'स्थित प्रज्ञ के लक्षण', 'गीता और रामायण'।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.